भाद्रपद शुक्ल पक्ष-4, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 171 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
06 दिसंबर 2023 बुधवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
22 अधिकतम
17 न्यूनतम

Page- 7

विधानसभा चुनाव में उल्टे पड़े तमाम पांसे

छत्तीसगढ़ में 'सेल्फ गोल' कैसे कर डाला भूपेश बघेल ने

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

किसी शायर ने कहा है 'इस जहां में मेरी तबाही का बस इतना सा ही है सबब, मुझे तो खु लूटा है मेरी जिदों ने' छत्तीसगढ़ में हुए चुनावों के पहले या मतदान के बाद हुए ऐक्जिट पोल के सर्वे इन निष्कर्षों को भले ही नहीं पकड़ सके हों पर ये पंक्तियां उन पर खरी उतरती हैं। वैसे देखा जाए तो कांग्रेस के लिए 42.23 फीसदी वोट शेयर के नतीजे निराश करने वाले कतई नहीं हैं। मात्र पौन फीसदी वोट उसका कम हुआ है। लेकिन भाजपा की 2018 में मिले 33 फीसदी वोट शेयर के मुकाबले 46.28 फीसदी तक लगाई गई छलांग ने उसे 15 सीटों से आगे बढ़ाकर 46.27 फीसदी पहुंचाकर 54 सीटों पर लाकर खड़ा कर दिया और कांग्रेस 68 से 35 सीटों पर आकर खड़ी हो गई। भाजपा तो यह चुनाव मप्र राजस्थान सहित किसी भी राज्य में किसी स्थानीय चेहरे को सामने रखकर चुनावी मैदान में तो नहीं उतरी लेकिन धान के कटोरे में कांग्रेस भूपेश बघेल के चेहरे पर मैदान में पूरी शिद्दत से डटी थी।

दरअसल, चुनावी सर्वे से लेकर एक्जिट पोल तक चाहे भले ही कुछ आंकड़ बयां कररहे हों लेकिन मप्र और छत्तीसगढ़ में एशियन एज के वरिष्ठ पत्रकार रबींद्रनाथ चौधरी और रायपुर के एक स्थानीय चैनल में कार्यरत मेरा भांजा रविकांत ढिमोले महीने भर से कह रहा था कि भाजपा धान के कटोरे में जीत दर्ज करा रही है। ढिमोले ने तो मु काफी पहले सीट दर सीट हार जीत वाले प्रत्याशियों की सूची भेज दी थी। पहले नईदुनिया और उसके बाद आउटलुक में मप्र के साथ छत्तीसगढ़ में काम करने के मेरे अनुभव के अलावा मेरे पास दोनों की बात की अनदेखी करने का कोई कारण नहीं था। भाजपा की चुनावी जीत की रणनीति पर आगे चर्चा करेंगे लेकिन पहले तो इस बात की मीमांसा जरूरी है कि भूपेश बघेल ने सेल्फ गोल कैसे कर डाला।

बघेल प्रेम में टीएस सिंह की अनदेखी की कांग्रेस आलाकमान ने: ढाई -ढाई साल मुख्यमंत्री के बतौर भूपेश बघेल को पहले मुख्यमंत्री बनाने वाले कांग्रेस आलाकमान ने ढाई साल पूरे होने पर अपने वादे को भुला दिया और सरगुजा रीजन के सबसे कद्दावर नेता तथा 2019 तक नेता प्रतिपक्ष रहे बाबा टीएस सिंहदेव को दरकिनार कर दिया। चुनाव के चंद महीने पहले उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाकर साधने की कवायद करते हुए कांग्रेस ने उनकी बची खुची इज्जत को भी तारतार कर दिया या यों कहें कि सिंहदेव ने खुद उपमुख्यमंत्री पद स्वीकारते हुए इलाके में अपनी और सरगुजा अंचल की 14 सीटों के कांग्रेसी मतदाताओं के बीच अपनी छवि का फलूदा बनवा लिया। अब बात करें भूपेश की जो कांग्रेस आलाकमान के खुले समर्थन से काम कर करते हुए इस तरह मनमानी पर उतरे कि उनका हरेक दांव उलटा पड़ता गया और हाशिए में पड़ी भाजपा को आक्सीजन फूंकता रहा। आदिवासी अंचलों में उन्होंने दिल्ली को खुश करने के लिए वनवासियों का इसाई धर्म परिवर्तन कराने को हवा दी। जब वो यह करके दस जनपथ को खुश कर रहे थे तो उनके मंत्री मोहम्मद अकबर कहां पीछे छूटने वाले थे। उन्होंने बघेल का अनुसरण करते हुए आदिवासियों को इस्लाम कबूल कराने की मुहिम चला डाली। बची खुची कसर भूपेश बघेल के पसंदीदा रायपुर महापौर ऐजाज ढेबर ने पूरी कर दी। उन्होंने रायपुर में रोहिंग्या मुसलमानों को हजारों की तादाद में बसाने की प्रक्रिया शुरू कर दी। खासतौर पर रायपुर के कद्दावर भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री ब्रजमोहन अग्रवाल के इलाके में उन्होंने खासी तादाद में रोहिंग्या की बसाहट कराते हुए यह हवा बना दी कि इस बार अग्रवाल से जीत दूर जा छिटकी है। यह बात अलग है कि भाजपा के पक्ष में कहें या रोहिंग्याओं के खिलाफ हुए ध्रुवीकरण में मतादाताओं ने 73 हजार से ज्यादा मतों से जीत दिलाने साथ ही पूरे रायपुर की सातों सीटों पर कांग्रेस की सूपड़ा साफ करा दिया।

ऐसा कतई नहीं है कि 35 हजार वोटों से हारे मो.अकबर और रायपुर के प्रथम नागरिक ढेबर की करामातों के किस्से भूपेश बघेल तक नहीं पहुंच रहे थे। लेकिन बघेल उनकी तरफ से आंखें मूंदे रहे। बेमतरा में मॉब लिंचिंग के शिकार भुवनेश्वर साहू के पिता ईश्वर साहू ने अपने बेटे को इंसाफ दिलाने के लिए बेमतरा से निर्वाचित वरिष्ठ मंत्री रवींद्र चौबे से लेकर मुख्यमंत्री बघेल तक इंसाफ की दुहाई लगाई लेकिन अल्पसंख्यक वोटों पर ध्यान लगाए बघेल ने उस पर भी ध्यान नहीं दिया। भाजपा ने उसी इंश्वर साहू को रवींद्र चौबे के क्षेत्र से मैदान में उतारकर भाजपा को 19 हजार 600 वोटों से जीत दिलवा दी। भूपेश बघेल केवल इस जतन में लगे थे कि पार्टी के कद्दावर नेता टीएस सिंहदेव को कैसे नीचे दिखाया जाए। उन्हें हरवाने की चाहत तो पूरी हो गई लेकिन इसके साथ ही कांग्रेस का सरगुजा की सभी 14 सीटों पर सूपड़ा साफ हो गया।

उल्टा पड़ गया किसानों की कर्ज माफी का मुद्दा: किसानों की कर्ज माफी का मुद्दा भी कांग्रेस पर भारी पड़ा गया। भूपेश बघेल उन मुख्यमंत्री में सबसे ऊपर थे जिन्होंने पूरी शिद्दत से किसानों की कर्ज माफी कराई लेकिन वे यह भांपने में भूल कर बैठे कि कर्ज माफी का फायदा उठाने वाले किसान गरीब आदिवासी नहीं बल्कि वे बड़े किसान थे जिन्होंने पचास लाख से लेकर एक-एक करोड़ के कर्जे ले रखे थे। बेचारे गरीब आदिवासी किसान यह देखकर जले भुने बैठे थे कि उन्हें तो कर्ज ही मिला तो माफ क्या खाक होगा। हद तो तब हो गई जब बघेल ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में एक बार फिर किसान कर्ज माफी का मुद्दा शामिल कर दिया। लिहाजा तथाकथित बड़े किसान इस बार एक करोड़ से ज्यादा के कर्ज लेकर बैठ गए जिन्होंने गरीब किसानों के जख्मों पर नमक डालने का काम किया। लिहाजा नतीजा कांग्रेस के विपक्ष में गया।

गैर छत्तीसगढ़ी का दांव भी उल्टा पड़ गया: भूपेश बघेल ने हमर छत्तीसगढ़ के नारे को बुलंद करने के साथ ही छत्तीसगढ़ी बनाम गैर छत्तीसगढ़ी का नारा भी गढ़ मारा। गैर छत्तीसगढ़ी में वो वर्ग आता है जो कहने को तो धनाड्य वर्ग में आता है लेकिन गरीब छत्तीसगढिंं को रोजगार से लेकर सारे साधन मुहैया कराता है। लिहाजा इन गैर छत्तीसगढ़ों ने अपनी सारी ताकत कांग्रेस को हरवाने में झोंक दी।

मप्र में चुनावी हार के बाद दिल्ली में अहम बैठक

हाईकमान नाखुश कांग्रेस में अब नए नाथ की तैयारी

आशीष दुबे, भोपाल, दोपहर मेट्रो

मप्र में कांग्रेस की बड़ी हार से पार्टी हाइकमान कितना नाराज है, यह इससे जाहिर हुआ कि बीती रात जब कमलनाथ ने हार के कारणों को बताने की कोशिश की, तो हाइकमान सारी बातें सुनने के लिये भी तैयार नहीं लगा। राहुल गांधी ने नाथ से सीधा सवाल पूछा कि आखिर चुनाव क्यों हारे? एक घंटे की बैठक में पहली बार नाथ के पास हाइकमान की बातों के सामने ज्यादा तर्क नहीं थे। बैठक दिल्ली में अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के निवास पर हुई। इसमें संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद थे। सूत्रों की मानें तो हाइकमान ने नाथ को यह भी याद दिलाया कि उन्हें न सिर्फ फ्रीहेंड दिया गया, बल्कि सीएम तक प्रोजेक्ट किया, जबकि राजस्थान व छत्तीसगढ में गहलोत व बघेल को सीएम प्रोजेक्ट नहीं किया गया। बताते हैं कि हार के बाद सुरेजवाला ने बहुत से कारणों को हाइकमान के सामने पहले ही रख दिया है। गौरतलब है कि नाथ के पांच साल के कार्यकाल में मप्र में प्रभारी महासचिव की भूमिका गौण-सी है। माना जाता है कि सभी फैसलों की कमान अपने हाथ में रखने की आदत के चलते लगातार प्रभारी बदले जाते रहे। आजिज आकर हाइकमान ने जब अपने करीबी सुरजेवाला को कमान दी, तब तक चुनाव आ चुके थे और वे पूरे प्रदेश का दौरा भी नहीं कर सके। टिकट वितरण व अन्य मामलों में भी नाथ के सहयोगियों के दखल की लगातार खबरें आती रहीं। लेकिन मप्र में अनुकूल माहौल भांपकर व विवाद टालने की गरज से हाइकमान अनदेखा करता रहा। हालांकि तीनों नेताओं के कद को देखते हुए हाइकमान 'बीच का रास्ता' निकालने की भी कोशिश करेगा। कुछ रिपोर्टस के भी मुताबिक नाथ को पद छोड़ने को कहा गया है। कहा जाता है कि नाथ इस्तीफा लेकर ही गए थे। मप्र कांग्रेस ने मामले में अनभिज्ञता जताते कुछ भी कहने से इंकार किया है।

कमलनाथ का इस्तीफा!

सूत्रों का कहना है कि हाइकमान ने तय किया है कि मप्र में जल्द नया सेटअप बनेगा। इसके चलते नाथ ने भी पद छोड़ने की पेशकश कर दी। माना जाता है कि नया फैसला होने तक वे पद पर रहेंगे। तीनों राज्यों के लिये फैसला राहुल के विदेश से लौटने के बाद होगा। पार्टी विधायक दल का नेता और अध्यक्ष दोनों साथ में चुनेगी तथा नये चेहरों को आगे लाने के मकसद से उन्हें ज्यादा से ज्यादा कमान सौंपेगी। जबकि गहलोत, नाथ व बघेल की केंद्र में भूमिका तय की जा सकती है।

नये चेहरों के बीच अरुण प्रासंगिक

नये चेहरों में वे अधिकांश चुनाव हार गये हैं, जिन्हें हाइकमान प्रमोट करने की कोशिशों में था, इनमें जीतू पटवारी और कमलेश्वर पटेल के नाम ऊपर हैं। हालांकि ओंकार सिंह मरकाम व उमंग सिंघार, जयवर्धन सिंह और विक्रांत भूरिया,सचिन यादव चुनाव जीत गये हैं। इनके अलावा अरूण यादव का नाम भी बीते दो दिन में दिल्ली में तेजी से उभरा है। उन्हें मप्र में ओबीसी चेहरे के नाते महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। जबकि दिग्विजय सिंह की भूमिका 'मेंटर' की ही होगी। दरअसल, विस चुनाव में यादव का उपयोग नजर नहीं आया। जब सपा प्रमुख अखिलेश यादव क्रांस से नाराज हुए थे, तब भी ओबीसी वोट को साधने के लिये यादव सामने नहीं लाए जा सके, जबकि राहुल ओबीसी गणना समेत कई मामलों में मुखर थे।

मप्र पर फैसला कल तक, छिंदवाड़ा गए शिवराज

नई दिल्ली/भोपाल, एजेंसी।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में जीत के बाद भाजपा हाइकमान मप्र में मुख्यमंत्री के चुनाव के काम कल तक पूरा कर सकता है। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव के लिए समीकरण साधते हुए सीएम का चयन और सरकार का गठन किया जाएगा। मप्र में शिवराज सिंह की स्वाभाविक दावेदारी के बीच कैलाश विजयवर्गीय, प्रह्लाद सिंह पटेल सहित कई बड़े नेता दिल्ली में ही मौजूद हैं। गोपाल भार्गव भी कल दिल्ली गये थे। वहीं शिवराज ने कहा है कि वे अभी दिल्ली नहीं जाएंगे। वे आज छिंदवाड़ा जा रहे हैं। लोकसभा चुनाव की दृष्टि से छिंदवाडा भाजपा के लिये अहम है,इस जिले की सभी सीट हाल में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के खाते में गई हैं। उधर दिल्ली में मप्र के लिये 'नाम' का चयन होने के साथ ही पर्यवेक्षक भेजकर विधायक दल की भोपाल में बैठक कराई जाएगी। कि जल्द ही मप्र में भाजपा विधायक दल की बैठक बुलाई जाएगी।

मप्र के भाजपा सांसदों ने दिया इस्तीफा

नईदिल्ली, एजेंसी।

विधानसभा चुनाव जीते मप्र-छत्तीसगढ़ के सांसदों ने इस्तीफा देना शुरू कर दिया है। माना जा रहा है भाजपा हाईकमान के निर्देश पर सांसद पद छोड़ा जा रहा है। मप्र के सांसद व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल समेत रीति पाठक, राकेश सिंह के इस्तीफे की खबरें हैं। छत्तीसगढ़ के सांसद अरुण साव, गोमती राय ने भी संसद सदस्यता छोड़ दी है। माना जा रहा है दोनों राज्यों में अब मुख्यमंत्री का फैसला जल्द होगा।

इंडिया की उथलपुथल के बीच राहुल की विदेश यात्रा 9 से

नई दिल्ली एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 9 दिसंबर से 14 दिसंबर तक इंडोनेशिया सहित चार देशों की यात्रा पर जा रहे हैं। उनकी विदेश यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब संसद का शीतकालीन सत्र जारी है। यही नहीं, इसी हफ्ते विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आए हैं, जिनमें पार्टी को हिंदी पट्टी के तीन अहम राज्यों-मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में करारी हार झेलनी पड़ी है। इसके अलावा विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में जारी अनबन के कारण पार्टी को बुधवार को होने वाली बैठक टालनी पड़ी है। इस अहम मौके पर राहुल की विदेश यात्रा पर सवाल उठ रहे हैं। राहुल यात्रा के दौरान इंडोनेशिया, सिंगापुर, मलयेशिया और वियतनाम जाएंगे। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि राहुल की विदेश यात्रा काफक्ष पहले से तय है। हालांकि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' से जुड़े सहयोगियों का मानना है कि ऐसे में जब पार्टी के साथ गठबंधन संकट में है, तब उन्हें यात्रा टाल देनी चाहिए।

राऊत ने बताया ठाकरे को राष्ट्रवादी चेहरा

मुंबई, एजेंसी।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को लोकसभा चुनाव में चुनौती देने के लिए बने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की बैठक जल्द होने वाली है। मगर इस बीच उद्धव बाल ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सांसद संजय राउत ने कहा कि पीएम के चेहरे पर चर्चा की जाएगी वास्तव में एक चेहरा होना चाहिए। सांसद राउत ने कहा, इस पर चर्चा होगी। इंडिया एक गठबंधन है। यह तानाशाही से चलने वाला गठबंधन नहीं है। अटलजी के जमाने में जब इंडिया यानी भारत हम चलाते थे, तो इस विषय पर चर्चा की जाती थी। किसी ने सवाल उठाया है तो हो जाएगी चर्चा।

बोरवेल से निकली, लेकिन जिंदगी की जंग हारी, पांच साल की बालिका की मौत

राजगढ़, एजेंसी।

जिले के पीपल्या रसोड़ा गांव में बीती रात खुले बोरवेल में गिरने वाली पांच साल की बालिका की आज मौत हो गई। उसे रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था लेकिन इलाज के लिए भोपाल के हमीदिया अस्पताल रेफर किया गया,जहां मौत हुई। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने एक्स हैंडल पर लिखा राजगढ़ जिले के पिपलिया रसोड़ा में मासूम बच्ची के बोरवेल में गिरने के पश्चात आज उसके निधन का समाचार

अत्यंत पीड़ा देने वाला है। दुःख की इस घड़ी में हम सब मासूम के परिजनों के साथ हैं और बच्ची के परिवार को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

ज्ञात हो कि घटना की जानकारी लगने के बाद बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी। बालिका को आक्सीजन देने का प्रयास किया गया। इस दौरान बालिका की आवाज बोर के अंदर से सुनाई दे रही थी। घटना की जानकारी लगने पर एसडीईआरएफ की टीम, कलेक्टर, एसपी व विधायक भी मौके पर पहुंच गए थे। बालिका अपने मामा-नाना के गांव आई थी

दिनदहाडे बैंक में घुसे लुटेरे, ग्राहकों को बनाया बंधक

आरा, एजेंसी। आज दिनदहाड़े कुछ अपराधी लूटपाट करने एक्सिस बैंक की शाखा में घुस गए। हथियार लेकर चार अपराधी बैंक के अंदर घुसे। इसके बाद कैश काउंटर और मैनेजर के केबिन में पहुंच गए। लूटपाट की कोशिश कर ही रहे थे कि अचानक पुलिस को इसकी भनक लगी। जब पुलिस बैंक के बाहर पहुंची ।तो अपराधियों ने बैंक का गेट लॉक कर दिया और शटर भी डाउन करवा दिया। अपराधियों ने बैंक के स्टाफ और ग्राहकों को बंधक बना लिया है। घटना नवादा थाना क्षेत्र के कतीरा में मौजूद एक्सिस बैंक की है। बैंक में अपराधियों के घुसे होने की खबर से इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। एएसपी, नवादा, टाउन थाना समेत डीआईयू की टीम बैंक के बाहर पहुंची है। पुलिस टीम ने बैंक को बाहर से घेर लिया है। पुलिस अपराधियों से सरेंडर करने की अपील कर रही है। अपराधी बैंक के अंदर हैं। वहीं वरीय अधिकारी ने निर्देश दिया है कि हर हाल में बंधकों को सुरक्षित बाहर निकालें।

मेट्रो एंकर

नई किताब : बेटी ने उजागर की पिता की कई अनसुनी बातें

जब प्रणब ने बेटी से कहा- वह मुझे प्रधानमंत्री नहीं बनाएंगी

नई दिल्ली, एजेंसी।

जब अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार को हराकर कांग्रेस की अगुवाई में यूपीए 2004 में सत्ता आई तो प्रधानमंत्री कौन बनेगा इस सवाल पर खूब बवाल हुआ था। कांग्रेस के नेता सोनिया गांधी को प्रधानमंत्री पद की कुर्सी संभालने को कह रहे थे, उनके इंकार के बाद डॉ. मनमोहन सिंह और प्रणब मुखर्जी का नाम प्रमुखता से आगे आ रहा था। मगर अब पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने अपने पिता के हवाले से उस समय की घटनाओं को एक किताब में पिरोया है। शर्मिष्ठा ने लिखा है कि जब उन्होंने अपने पिता से पूछा कि क्या सोनिया गांधी की ओर से इनकार की हालत में उनके प्रधानमंत्री बनने की संभावनाएं हैं, तब प्रणब मुखर्जी ने कहा था कि नहीं, वो मुझे प्रधानमंत्री नहीं बनाएंगी। इस पुस्तक में, कांग्रेस प्रवक्ता रहीं शर्मिष्ठा ने अपने पिता के शानदार जीवन की एक झलक प्रस्तुत की है। वह यह भी कहती हैं कि उनके पिता को प्रधानमंत्री न बनाने के लिए उनके पिता के मन में सोनिया गांधी के प्रति कोई विद्वेष नहीं था और निश्चित रूप उस शख्सियत के प्रति तो कोई कड़वाहट नहीं थी जो इस काम के लिए चुने गए थे यानी की डॉ मनमोहन सिंह। 11 दिसंबर को लॉन्च होने जा रहे इस पुस्तक में शर्मिष्ठा कहती हैं कि उनके पिता को पीएम न बनने पर कोई निराशा नहीं हुई, ऐसा कहीं उनकी डायरी में नहीं है। यह पुस्तक 'इन प्रणब, माइ फादर- ए डॉटर्स रिमेंबर्स' में शर्मिष्ठा ने अपने पिता की डायरी, उनसे सुनी कहानियों और अपने शोध के आधार पर अपने पिता के अब तक के अज्ञात पहलुओं को उजागर किया है. कैसे प्रणब की भारत के प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा अधूरी रही, कैसे प्रणब सोनिया गांधी के नंबर वन विश्वस्त बनकर उभरने में नाकाम रहे। नेहरू गांधी परिवार के आभामंडल में उनका जीवन कैसे गुजरा और यह भी किस तरह राहुल गांधी में राजनीतिक करिश्मा और राजनीतिक समझ की कमी थी।

10 जनपथ का राजनीतिक तापमान

'द पीएम इंडिया नेवर हैड' चैप्टर वाले अध्याय में शर्मिष्ठा लिखती हैं, प्रधानमंत्री पद की दौड़ से हटने के सोनिया के फैसले के बाद, मीडिया और राजनीतिक गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म था। इस पद के लिए शीर्ष दावेदारों के रूप में डॉ. मनमोहन सिंह और प्रणब मुखर्जी के नामों पर चर्चा हो रही थी. मुझे कुछ दिनों तक बाबा से मिलने का मौका नहीं मिला क्योंकि वह बहुत व्यस्त थे, लेकिन मैंने उनसे फोन पर बात की. मैंने उनसे उत्साहित होकर पूछा कि क्या वह पीएम बनने जा रहे हैं. उनका दो टूक जवाब था, नहीं, वह मुझे पीएम नहीं बनाएंगी. वह मनमोहन सिंह होंगे। उन्होंने आगे कहा, लेकिन उन्हें जल्द इसकी घोषणा करनी चाहिए. यह अनिश्चितता देश के लिए अच्छी नहीं है।

होमगार्ड का 77 वां स्थापना दिवस

77 वे स्थापना दिवस पर होमगार्ड सैनिक ने मार्च पास्ट किया और प्रदर्शनी लगाई।

फोटो निर्मल व्यास

दुग्ध संघों व दूध उत्पादन करने वाली समितियों में वर्षों से चुनाव नहीं कराए जाने का मामला

दुग्ध उत्पादन समितियों के प्रतिनिधियों को बंधी चुनाव की आस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश का एकमात्र सहकारी दुग्ध संघ और इसके नियंत्रण में आने वाले भोपाल इंदौर सागर उज्जैन ग्वालियर जैसे 6 दुग्ध संघों में नौकरशाही हावी है। इसकी वजह इन महासंघ और दुग्ध संघों में चुनाव हुआ संचालक मंडल नहीं होना है संचालक मंडल का चुनाव समिति में दूध बेचने वाले किसानों के जरिए होता है जो 10-10 सालों से नहीं हुए है। अब दूध का उत्पादन करने वाले किसानों को गठित होने वाली भाजपा की नई सरकार से आस बंध गईं है कि सरकार में बैठने वाले लोग चुनाव करवाएंगे।

6 दुग्ध संघ, किसी में संचालक मंडल नहीं

प्रदेश में भोपाल, इंदौर, उज्जैन, सागर, ग्वालियर व जबलपुर समेत 6 सहकारी दुग्ध संघ हैं, जो बिना संचालक मंडल के चल रहे हैं। ये मंडल संचालकों से मिलकर बनते हैं, जो अध्यक्ष चुनते हैं। इस तरह अध्यक्ष व संचालक मिलकर किसानों से जुड़े मुद्दों पर नजर रखते हैं और उन्हें लाभ पहुंचाने के लिए काम करते हैं। यही हाल, इन दुग्ध संघों पर नियंत्रण रखने वाले दुग्ध महासंघ अर्थात- एमपी स्टेट कोआपरेटिव डेयर फेडरेशन का है। यहां भी चेयरमैन व संचालक नहीं है इस तरह दुग्ध संघ और महासंघ पूरी तरह अधिकारियों के भरोसे चल रहे हैं। दुग्ध संघों में संचालक मंडल नहीं होने की स्थिति में संभागीय आयुक्त प्राधिकृत अधिकारी होते हैं। दुग्ध महासंघ में बोर्ड नहीं होने के कारण यह जिम्मेदारी पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव के पास है। संघों में सीईओ व महासंघ में एमडी ही व्यवस्थाएं देख रहे हैं।

इन संघों व महासंघ में 2007 से 2012 के बीच चुनाव हुए थे

प्रदेश के सहकारी दुग्ध संघों में वर्षों से चुनाव नहीं होने का नतीजा कई समितियों के दुग्ध उत्पादक किसान भुगत रहे हैं। नई सरकार से इन्हें उम्मीद है कि सहकारी समितियों में चुनाव होंगे तो उनके द्वारा चुने हुए प्रतिनिधि दुग्ध संघ और महासंघ में पहुंचेंगे, जो दूध खरीदी के दाम में बढ़ोतरी से लेकर पशु आहार की कीमतों में कमी किए जाने जैसे मुद्दे उठाएंगे। उल्लेखनीय है कि इन संघों व महासंघ में 2007 से 2012 के बीच चुनाव हुए थे, उसके बाद कुछ संचालक मंडलों का कार्यकाल बढ़ता गया तो कुछ को निष्क्रिय कर दिए गए। बीते कई वर्षों से संचालक मंडल निष्क्रिय है।

आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए शुरू हुए ऑनलाइन आवेदन, 8 जनवरी अंतिम तारीख

परीक्षा प्रवेश-पत्र 29 जनवरी से डाउनलोड किये जा सकेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जनजातीय कार्य विभाग के विशिष्ट आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन बुधवार से शुरू हो गए है। आवेदन की अंतिम तारीख 8 जनवरी है। परीक्षा प्रवेश-पत्र 29 जनवरी को सुबह 10 बजे से डाउनलोड किये जा सकेंगे। परीक्षा 11 जनवरी 2024 को सुबह 10 से 12 बजे तक होगी।

मेरिट सूची में चयनित होने एवं न्यूनतम योग्यता प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने विकल्प के अनुसार विद्यालयों में रिक्त सीट के विरूद्ध चयन के लिए पात्र होंगे। कक्षा 5वीं में अध्ययनरत जनजाति वर्ग, विशिष्ट पिछड़ी जनजाति (बैगा, भारिया या सहरिया), विमुक्त जनजातियाँ, घुमक्कड़ एवं अर्ध घुमक्कड़ समुदाय के अलावा वे बच्चे, जिन्होंने अपने माता-पिता को वामपंथी उग्रवाद, कोविड आदि के कारण खो दिया है तथा विधवा की संतान, दिव्यांग माता-पिता की संतान, अनाथ या भूमिदाता (जिन्होंने विद्यालय भवन के निर्माण के लिए भूमि दान की हो) वर्ग के विद्यार्थी विभागीय वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

यह हैं सीटें

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में बालकों के लिये 1795, बालिकाओं के लिये 1820 सीट हैं। इसी तरह कन्या शिक्षा परिसर में बालिकाओं के लिये 4552 और आदर्श आवासीय विद्यालयों में बालकों के लिये 280 सीटें हैं।

केंद्रीय छात्रवृत्ति के आवेदन 31 दिसंबर तक

भोपाल। सेन्ट्रल सेक्टर स्कीम ऑफ स्कॉलरशिप फॉर कॉलेज एण्ड यूनिवर्सिटीज स्टुडेण्ट की नवीन एवं नवीनीकरण छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर निर्धारित की गई है। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश भोपाल की हायर सेकेण्डरी परीक्षा वर्ष 2023 में उत्तीर्ण 80 से अधिक पर्सेंटाइल अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी नवीन छात्रवृत्ति के लिए तथा वर्ष 2019 से वर्ष 2022 तक के चयनित विद्यार्थी नवीनीकरण छात्रवृत्ति के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर आवेदन केवल ऑनलाइन ही भरेंगे।

एनसीसी कमान अधिकारी की एनएओ एवं सीटीओ के साथ हुई बैठक

वार्षिक प्रशिक्षण कैम्प का आयोजन 9 से 18 दिसंबर तक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र छग जोन के 4 एमपी बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल अजय कोहली ने भोपाल में एसोसिएट एनसीसी आफिसर (एनएओ) एवं केयर टेकर आफिसर (सीटीओ) के साथ बैठक की। इस दौरान कर्नल कोहली ने वर्तमान सत्र 2023-24 मे शत-प्रतिशत इनरोलमेन्ट पूरा होने पर सभी एएनओ और सीटीओ को बधाई दी। उन्होंने निर्देश दिए कि ऑनलाइन इनरोलमेन्ट प्रकिया को अति शीघ्र पूरा करके डीजी एनसीसी कार्यालय नई दिल्ली भेजे। 4 एमपी बटालियन ग्रुप के नेतृत्व में वार्षिक प्रशिक्षण कैम्प का आयोजन 9 से 18 दिसंबर तक सीएपीटी कान्हासैया पीओ-कोकता भोपाल मे होने जा रहा है, जिसने शीतकालीन वातावरण मे कैडेटों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमे विभिन्न क्षेत्रों के शेक्षणिक संस्थाओं के लगभग 500 छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रहे हैं।

एनसीसी पाठ्यक्रम को समयावधि मे पूर्ण करने की हिदायत

बैठक में एनसीसी के ए, बी एवं सी प्रमाण पत्र परीक्षा-2023-24 कमान अधिकारी ने सभी एएनओ- सीटीओ को एनसीसी पाठ्यक्रम को समयावधि मे पूर्ण करने की हिदायत दी। सोशल सर्विसेस कम्युनिटी डेवलपमेंट (एसएससीडी) सामाजिक गतिविधियों के क्रियाकलाप से समाज मे होने वाले बदलाव व प्रभाव के बारे मे जानकारी दी गई।

20 दिसंबर से शुरू होगी अखंड रामधुनी

मानव कल्याण : रामनाम की रट लगाएगा संतनगर

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संतनगर में हर साल मानव कल्याण एवं विश्व की खुशहाली के लिए होने वाले अखंड रामधुनी 20 से 26 दिसंबर तक किया जाएगा। रामधुनी हर दिन सुबह 7.00 बजे से आसादीवार एवं भजन कीर्तन तथा सोयंकाल में 7.00 बजे आरती एवं भजन कीर्तन होंगे। 20 दिसम्बर को गुरु ग्रंथ साहिब के सात दिवसीय पाठ साहिब की भी शुरूआत साधू वासवानी स्कूल प्रांगण में होगी।

समापन 26 दिसम्बर को सिरी गुरु ग्रंथ साहिब के पाठ साहिब के भोग साहिब के साथ होगा। अखण्ड रामधुन निरंतर 24 घण्टे चलती रहेगी। सिमरन सेवा..हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे। हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे।। अखण्ड रामधुन का आरम्भ और समापन मौके पर संतजी के शिष्य सिद्धभाऊ मौजूद रहेंगे।

रामधुनी महोत्सव के एक दिन पहले 19 दिसम्बर को सायं 4.00 बजे श्री राम कृष्ण का चल समारोह संतजी की कुटिया निकलेगा, जो आयोजन स्थल साधु वासवानी स्कूल प्रांगण में पहुंचेगा।

रामधुन के लिए प्रतिदिन प्रातः 8.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक का समय माताओं एवं बहनों के लिए एवं सायं 6.00 बजे से अगले दिन प्रातः 8.00 बजे तक का समय पुरुषों/भाईयों के लिए निर्धारित रहेगा। रामधुनी में श्वेत वस्त्र पहनकर आना अनिवार्य होता है। रामुधनी में आने वाली राशि से अन्न क्षेत्र चलाया जाता है, जो साल 1989 से शुरू है।

मेट्रो एंकर

विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस पर प्रतियोगिताएं

डिजिटल जागरूकता जरूरी है : रितिका

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज के कंप्यूटर सांइस विभाग द्वारा विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें टेक डिबेट, बेस्ट आउट ऑफ ई-वेस्ट, डिजिटल पोस्टर एवं टेक एंटरप्रेन्योरशिप प्रतियोगिताएं में शामिल थी। आयोजन में डिजिटल जागरूकता विषय पर कार्यशाला का भी आयोजन किया गया, जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में रितिका प्रधान, को-फाउंडर, एसएसएस टेक्नोलॉजिस भोपाल उपस्थित थीं। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को डिजिटल रूप से जागरूक कर उनमें डिजिटल कौषल का विकास करना था।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण के बारे में जागरूकता आवश्यक है। रितिका प्रधान ने इस कार्यशाला में छात्राओं को डिजिटल साक्षरता के महत्व पर बात करते हुए हैकिंग एवं उससे संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर बात की। उन्होने कहा कि आज डिजिटल रूप से जागरूक होना जरूरी है।

यह रहीं विजेता

टेक डिबेट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हिबा मरियम एवं द्वितीय स्थान भूमिका पंवार, बेस्ट आउट ऑफ ई-वेस्ट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नफीसा हसन और हावरा हसन एवं द्वितीय स्थान हेमा बावने और पिंकी कुशवाह एवं तुतीय स्थान मोनिका बरगाह और हेमा बरगाह , डिजिटल पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अनुश्री नामदेव एवं द्वितीय स्थान तानिया पाटिल और ग्रेसी सिंह एवं टेक एंटरप्रेन्योरषिप प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दीपिका मेवाड़ा, अंजली विश्वकर्मा और महक भील द्वितीय स्थान इफराह अली एवं तृतीय स्थान नफीसा हसन और हावरा हसन ने प्राप्त किया।

बाघों की मौत में मप्र ही नहीं महाराष्ट्र भी आगे

दोनों राज्यों में 38-38 बाघ की हुई मौतें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लंबे समय से बाघों की मौत में मप्र आगे रहा है। पहली बार ऐसा हुआ है जब मप्र और महाराष्ट्र दोनों ही राज्यों में 38-38 बाघों की मौत हुई है। इनमें 2 से 15 प्रतिशत बाघों की मौत अप्राकृतिक है। नेशनल टाइगर कंजरवेशन अथॉरिटी की रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर के शुरुआत तक 163 बाघों की मौत हो चुकी है। इनमें सबसे अधिक मौतें मप्र व महाराष्ट्र में दर्ज हुई है।

उल्लेखनीय है कि मप्र के पास 785 है, जो सर्वाधिक है। 2018 में 526 बाघ थे। तभी से मप्र के पास लगातार टाइगर स्टेट का दर्जा बरकरार है लेकिन बाघों की मौत के आंकड़े भी डराते रहे है। प्रदेश में 2022 में 34 व वर्ष 2021 में 41 मौतें हुई थी। आमतौर पर मप्र में होने वाले बाघों की मौत की तुलना में महाराष्ट्र में ये आंकड़े आधे ही रहते थे। इस राज्य में 2022 में 23 मौते हुई थी। दोनों ही राज्यों में लगातार हो रही मौतों की वजह शिकार, बाघों के बीच आपसी संघर्ष है।

मौत की यह वजह भी

- **बाघों** की औसत उम्र 12 से 16 साल ही होती है, इस उम्र के बाद बाघ उम्रदराज हो जाते हैं जिसके कारण कई बार स्वत- मौत हो जाती है। दोनों ही राज्यों में कई मौतें इसी तरह हुई है।
- **वन** क्षेत्रों में बाघों की संख्या लगातार बढ़ी है जिसके कारण भोजन को लेकर कई बार आपसी संघर्ष होता है जिसमें किसी न किसी बाघ को जान गंवानी पड़ती है। कई मामलों में यही हुआ है।
- **बाघ** शिकार करने के लिए जंगल से बाहर निकल जाते हैं और उन पर शिकारियों की नजर पडने़ के कारण शिकार होता है बौर मौत हो जाती है। जिन बाघों की मौतें हुई है उनमें से कई मामलों में यही हुआ है।
- **वन** क्षेत्रों से सटे आदिवासी गांवों में कुछ परिवार वन्यजीवों से परेशान होकर करंट लगा देते हैं या खाद्य पदार्थों में जहर मिलाकर रख देते हैं, जिसे खाने से बाघों से भी बाघों की मौत होती है।

वर्ष 2023 में बाघों की सर्वाधिक मौत वाले 10 राज्य

मध्यप्रदेश- 38	केरला - 13
महाराष्ट्र- 38	कर्नाटक - 11
उत्तराखंड- 27	उत्तरप्रदेश - 06
असम- 11	राजस्थान - 05
तमिलनाडु - 15	बिहार- 03

दिसंबर माह की शुरुआत में एनटीसीए की रिपोर्ट

कांग्रेस की समीक्षा बैठक में नाथ ने लोकसभा चुनाव का लक्ष्य दिया

हम इससे भी बुरी तरह हार चुके हैं...

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

विस चुनाव में करारी हार के बाद समीक्षा के पहले चरण में प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ ने कांग्रेस उम्मीदवारों को वर्ष 77 की याद व बड़ी हार की याद दिलाते हुए नये सिरे से संघर्ष का हौसला देने की कोशिश की। बैठक में कुछ विधायकों ने अपने चुनाव के अनुभव रखे तथा ईवीएम को लेकर भी शिकायतें की, जबकि कुछ ने कहा कि यह बातें छोड़कर हमें नुकसान पहुंचाने वाले नेताओं को हटाना होगा।

बताया जाता है कि बैठक में नाथ ने कहा कि् हम इस चुनाव में हार गये हैं लेकिन मुझे याद है कि हम 1977 में इससे भी बुरी तरह से हारे थे। उस समय इंदिरा गांधी और संजय गांधी जैसे देश के हमारे शीर्ष नेता भी चुनाव हारे थे। पूरा माहौल कांग्रेस के खिलाफ था, लेकिन हम सभी एकजुट हुये और मैदान में आये। तीन साल बाद हुये चुनाव में 300 से अधिक सीटों के साथ इंदिरा गांधी ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनायी, इसी तरह हमें 4 महीने बाद होने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटना है। नाथ ने कहा कि सभी प्रत्याशी और विधायक अपने चुनाव की पूरी समीक्षा करें, इसका वैज्ञानिक ढंग से विश्लेषण करें कि वे क्यों हारे या क्यों जीते। उन्होंने सभी प्रत्याशियों से अगले दस दिन के अंदर दो अलग-अलग रिपोर्ट उनके पास भेजने हेतु कहा। एक रिपोर्ट में चुनाव का विश्लेषण और दूसरी रिपोर्ट में संगठन की समीक्षा गुप्त रूप से भेजी जाये। उन्होंने कहा कि वे अतिशीघ्र पूरे प्रदेश का दौरा करेंगे।

ईवीएम पर फिर उतरा गुस्सा

बताया जाता है कि बैठक में कहा गया कि जहां कांग्रेस पार्टी बड़े अंतर से पराजित हुई है, वहां 100 से अधिक ईव्हीएम मशीनें मतगणना के समय 99 प्रतिशत तक चार्ज मिली। जबकि मतदान के दौरान 10 घंटे से ज्यादा इनका उपयोग हो चुका था। इससे शक होता है कि या तो ईव्हीएम बदलीं गई या उनके साथ छेड़छाड़ की गई। इसी तरह जब पोस्टल वोट में कांग्रेस को प्रचण्ड बहुमत मिल रहा था तो ईव्हीएम मशीन में अचानक से कम हो जाना संदेह पैदा करता है। इस हेरफेर से भाजपा ने जब ज्यादातर सीटों पर अपनी बढ़त हासिल कर ली, तो प्रशासन पर दबाव बनाकर मतगणना के आखिरी पांच राउंड में कम अंतर से पीछे चल रहे या आगे चल रहे कांग्रेस के प्रत्याशियों को हारा हुआ घोषित कर दिया गया।

30 साल नौकरी के बाद स्थाईकर्मियों को बताया कृषि श्रमिक उद्यानिकी विभाग ने

कर्मचारी नाराज, मुख्य सचिव को पत्र लिखा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश का उद्यानिकी विभाग स्थाई कर्मियों को सातवां वेतनमान का लाभ देने के मामले में उच्च न्यायालय के आदेश का पालन नहीं कर रहा है। 30 साल नौकरी करने वाले स्थाई कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ देने स्थान पर उद्यानिकी विभाग ने कृषि नियोजन श्रमिक घोषित कर दिया है, जबकि मध्य प्रदेश शासन उद्यानिकी विभाग दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को वर्ष 2013 में तकनीकी कर्मचारी मानते हुए कुशल श्रेणी दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी घोषित कर चुका है और शासन ने 2016 में स्थाई कर्मी बना दिया है। यह आरोप मप्र कर्मचारी मंच ने लगाया और मुख्य सचिव को पत्र लिखकर मांग की है कि उद्यानिकी विभाग के स्थाई कर्मचारियों को उच्च न्यायालय के आदेश के पालन में सातवें वेतनमान का लाभ दिया जाए ।मंच अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट आदेश है कि विभागों में कार्यरत स्थाई कर्मियों को जनवरी 2016 से सातवें वेतनमान का लाभ दिया जाए। न्यायालय के आदेश को आधार मानकर उच्च न्यायालय जबलपुर ने विभिन्न याचिकाओं में आदेश पारित किया है कि उद्यानिकी विभाग के स्थाई कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ दिया जाए।

आलम यह है कि उद्यानिकी विभाग के स्थाई कर्मियों को छठवें और सातवें वेतनमान से वंचित कर दिया गया है और आदेश में स्थाई कर्मियों को कृषि नियोजन श्रमिक बता दिया है, जिस कारण प्रदेश के उद्यानिकी विभाग के स्थाई कर्मियों में असंतोष है।

वेबसाइट से डाउनलोड होंगे नोटिफिकेशन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पीएचडी अवॉर्ड के नॉटिफिकेशन विश्वविद्यालय ने वेबसाइट पर अपलोड कर दिया हैं। विद्यार्थी अब सीधे बीयू की वेबसाइट पर जाकर उन्हें डाउनलोड कर सकते हैं। बता दें इससे पहले नोटिफिकेशन के लिए छात्रों को लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। अब से ऑनलाइन सुविधा से जोड़ दिया है। अक्टूबर व नवंबर माह में हुई सभी पीएचडी मौखिक परीक्षा के उपरांत छात्रों के नोटिफिकेशन विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर डाले जा चुके हैं।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की यूजीसी नेट परीक्षा हुई शुरू, 8 तक चलेगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने यूजीसी नेट दिसंबर का एडमिट कार्ड जारी कर दिया। इससे पहले ही एनटीए ने एग्जाम सिटी इंटीमेशन स्लिप जारी की थी।

6,7 और 8 दिसंबर को आयोजित होने वाली परीक्षाओं में शामिल होने वाले उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। बिना एडमिट कार्ड के एग्जाम हॉल में एंट्री नहीं मिलेगी। इसमें उम्मीदवार का नाम, कैटेगरी, डेट ऑफ बर्थ, अभिभावक का नाम, परीक्षा का समय, सेंटर , रिपोर्टिंग टाइम आदि जानकारी है। जल्द ही 11, 12, 13 और 14 दिसंबर के परीक्षा के लिए भी एडमिट कार्ड जारी होगा।

भोज मुक्त ओपन यूनिवर्सिटी और केंद्रीय संस्कृत संस्थान जल्द ही शुरू कर सकेंगे अब नए कोर्स

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल में दो विश्वविद्यालय ऐसे हैं, जिन्हें ए और ए प्लस प्लस ग्रेड मिला है, उनमें भोज मुक्त ओपन यूनिवर्सिटी और केंद्रीय संस्कृत संस्थान शामिल हैं। भोज विश्वविद्यालय इस सत्र में कुछ नए कोर्स शुरू करने की तैयारी में है। नैक से ए ग्रेड विश्वविद्यालय अब यूजीसी की मंजूरी के बिना ही नया पाठ्यक्रम या कौशल पाठ्यक्रम शुरू कर सकते हैं। यह निर्णय यूजीसी की बैठक में लिया है। जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय में कुछ नए कोर्स शुरू किए जा रहे हैं, जिससे छात्र

को रोजगार से जुड़ सके। इसी के साथ ऐसे कोर्स को बंद किया जाएगा, जिनमें लंबे समय से 5 से 10 विद्यार्थी ही प्रवेश ले रहे हैं। इसके लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। दरअसल, अब यूजीसी ने स्वतंत्रता मिलने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा ऐसे कोर्सों को बंद किया जाएगा, जो आउटडेटेड हो चुके हैं और छात्र एडमिशन नहीं ले रहे हैं। केंद्रीय संस्कृत यूनिवर्सिटी में छात्र-छात्राओं के लिए ऑनलाइन कोर्स शुरू किए जाएंगे। विवि प्रबंधन के अनुसार इन कोर्स में ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एडमिशन दिया जाएगा।

मेट्रो एंकर — नकल रोकने के लिए इस बार माशिमं ने किए सख्त इंतजाम

बोर्ड परीक्षाएं: परीक्षा केंद्रों के बाहर रखी जाएंगी लोहे की पेटियां, मोबाइल भी किए जाएंगे जमा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा दसवीं-बारहवीं की परीक्षाएं फरवरी के पहले सप्ताह में शुरू हो जाएंगी। इसको लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। मंडल द्वारा जल्द ही परीक्षा केंद्रों की सूची भी जारी की जाएगी। परीक्षाओं में नकल पर लगाम लगाने के लिए इस बार सख्त इंतजाम किए जा रहे है। परीक्षा केंद्र पर मोबाइल पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया गया है। केंद्राध्यक्ष भी केंद्र में मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे। केंद्रों के बाहर लोहे की पेटी रखी जाएगी। इसमें मोबाइल को जमा करना होगा।

लैंडलाइन फोन का उपयोग

परीक्षा केंद्रों से माशिमं को सूचना देने या परीक्षा की निगरानी करने के लिए मोबाइल के बदले वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी। इसमें लैंडलाइन फोन के उपयोग के साथ-साथ पोर्टल तैयार किया जा रहा है, ताकि परीक्षा केंद्रों से सूचनाओं का आदान-प्रदान हो सके। इसमें ईमेल के माध्यम से मंडल की पूरी कंट्रोलिंग होगी। साथ ही आफलाइन प्रक्रिया को बंद कर आनलाइन प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

मोबाइल मिला तो परीक्षा कार्य से डिबार

जानकारी के अनुसार, केंद्राध्यक्ष, सहायक केंद्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक सहित किसी भी स्टाफ के पास मोबाइल पाया गया तो सख्त सजा होगी और मंडल के परीक्षा कार्य से उन्हें डिबार किया जाएगा।

सुविचार

खुद में झांकने के लिए जिगर चाहिए वरना दूसरों की शिनाख्त में तो हर शख्स माहिर है।

– अज्ञात

संपादकीय

क्षेत्रीय पार्टियों का सियासी दखल

करीब दस साल पहले जिस तरह दिल्ली में आम आदमी पार्टी का भारतीय राजनीति में पहली बार असर महसूस किया गया था, वह असर सुदूर पहाडी इलाके मिजोरम में भी हाल में महसूस हुआ है। दरअसल क्षेत्रीय पार्टियां कुछ राज्यों में भले ही प्रासंगिक हों, लेकिन दिल्ली की केंद्रीय राजनीति में उनका प्रभाव कुछ कम हो रहा है। 1989 और 2014 के बीच क्षेत्रीय दलों का दबदबा था क्योंकि किसी भी राष्ट्रीय पार्टी को बहुमत नहीं मिलता था और खिचड़ी सरकारें बनती थीं। 1990 के दशक में क्षेत्रीय दलों का लोकसभा वोट शेयर पहले के 20 फीसद के स्तर से दोगुना से ज्यादा हो गया। 2014 लोकसभा चुनाव में बीजेपी को अकेले दम पर मिले बहुमत ने गठबंधन सरकारों के दौर का अंत कर दिया और क्षेत्रीय दल को हाशिए पर चले गए। भाजपा यूपी और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भी प्रमुख ताकत के रूप में उभरी, जिससे वहां के क्षेत्रीय दलों में उथल-पुथल मची।2014 से क्षेत्रीय दलों और राष्ट्रीय दलों के बीच दो तरह की साझेदारियां उभरी हैं। आंध्र प्रदेश में वाईएसआरसीपी और ओडिशा में बीजेडी जैसी पार्टियां अपने राज्यों में हावी हैं और भाजपा के साथ समझौता कर चुकी हैं। आमतौर पर वे संसद में भाजपा को समर्थन देते हैं। लेकिन तमिलनाडु और केरल में, क्षेत्रीय दल राष्ट्रीय दलों के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ती हैं। तमिलनाडु में क्षेत्रीय दल गठबंधन में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। बिहार और महाराष्ट्र में चीजें ज्यादा बराबरी से बंटी हुई हैं। यहां मुख्य बात यह है कि राष्ट्रीय दल चुनाव में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए क्षेत्रीय दलों पर निर्भर करती हैं तो 2024 में क्षेत्रीय दलों का महत्व रहेगा। हालांकि, यह संभावना नहीं है कि भारत क्षेत्रीय क्षत्रपों को मोल-भाव करते हुए केंद्रीय मंत्रालयों को हथियाते हुए देखेगा, जैसा उन्होंने पहले किया था। यह सिर्फ पिछले एक दशक में भाजपा के दबदबे का नतीजा नहीं है। यहां तक कि उन राज्यों में जहां कांग्रेस को जीत मिली है, कर्नाटक और तेलंगाना में, यह क्षेत्रीय दल ही हैं जिनकी जमीन खिसकी हैं। यह 2024 के लोकसभा चुनावों की नई हकीकत है। मगर इस धारणा के बीच यानि चार राज्यों के चुनाव नतीजे के अगले दिन जब मिजोरम के नतीजे आये तो जोरम पीपुल्स मूवमेंट ने विधानसभा में अपनी पहली ही कोशिश में बहुमत हासिल कर लिया। जिस चुनाव में दो राष्ट्रीय पार्टियां बीजेपी और कांग्रेस हावी थीं, उसमें जोराम पीपुल्स मूवमेंट ने जीत दर्ज करके बता दिया कि क्षेत्रीय पार्टियां अभी खत्म नहीं हुई हैं।इस दल का साम्य आम आदमी पार्टी से इसलिये भी है क्योंकि दोनों के मुखिया अभा सेवाओं से नौकरी देकर राजनीति में आये हैं। जेडपीएम के मुखिया भारतीय पुलिस सेवा के अफसर रह चुके हैं और अब मुख्यमंत्री बनेंगे, वे अस्सी के दशक में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सुरक्षा प्रभारी भी रहे हैं। कांग्रेस के ही अनुरोधाों के चलते वे राजनीति में आये थे, हालां?कि बाद में उन्होंने अलग राह बना ली और अब उम्र के सातवें दशक में वे सीएम बन रहे हैं। उनकी ही तरह अरविंद केजरीवाल भी आईआरएस अफसर थे और करीब पंद्रह साल पहले राजनीत में दाखिल हुए। यानि क्षेत्रीय दल राज्यों में आज भी ताकत बनकर खडे हैं और भाजपा या कांग्रेस जैसे बडे दलों के लिये कई बार नाजुक वक्त में फिलहाल तो जरूरत बने रहेंगे।

निशाना

आया है बयान !

– कृष्णेन्द्र राय

दूर करेंगे अड़चन ।
आया है बयान ।।
मिले बराबर हक़ ।
और सही सम्मान ।।
ना चिंता की बात है ।
होगा त्वरित हल ।।
है हमको संवारना ।
आने वाला कल ।।
लगा रहेगा तू तू मैं मैं ।
ना पर हो नुकसान ।।
इसका भी अब थोड़ा थोड़ा ।
रख रहे हैं ध्यान ।।
समय लेगा करवट ।
है पूरा विश्वास ।।
हो भले मतभेद पर ।
छोड़ेंगे ना आस ।।

आज का इतिहास

- 2008 में आज ही के दिन भारत व चीन की सेनाओं के बीच संयुक्त युद्धाभ्यास एक्सरसाइज हैंड इन हैंड कर्नाटक के बेलगांव में शुरू हुआ था।
- 2008 में 6 दिसंबर के दिन ही केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट और रिवर्स रेट में एक प्रतिशत की कटौती की थी।
- 2006 में आज ही के दिन नासा ने मार्स ग्लोबल सर्वियर द्वारा खिंचे चित्रों को सार्वजनिक किया था।
- 2002 में 6 दिसंबर के दिन ही स्पेन के कार्लोस मोया को 'एटीपी यूरोपियन प्लेयर आफ़ द इयर' ख़िताब दिया गया था।
- 2001 में आज ही के दिन अफगानिस्तान में तालिबान हथियार डालने पर सहमत हुए थे।
- 1998 में 6 दिसंबर के दिन ही ह्यूगो शावेज वेनेजुएला के राष्ट्रपति चुने गए थे।
- 1998 में आज ही के दिन बैंकॉक में 13वें एशियाई खेलों की शुरुआत हुई थी।
- 1997 में 6 दिसंबर के दिन ही क्योटो (जापान) में अंतरराष्ट्रीय जलवायु सम्मेलन की शुरुआत हुई थी।
- 1978 में आज ही के दिन यूरोपीय देश स्पेन में संविधान को अंगीकार किया गया था।
- 1958 में 6 दिसंबर के दिन ही इटली में विश्व की सबसे लंबी और अत्यंत महत्वपूर्ण सुरंग बनाने का काम शुरू हुआ था।
- 1926 में आज ही के दिन फिराक गोरखपुरी अपने साहित्यिक जीवन के शुरुआती समय में ब्रिटिश सरकार के राजनीतिक बंदी बनाए गए थे।
- 1917 में 6 दिसंबर के दिन ही फिनलैंड ने रूस से स्वतंत्रता की घोषणा की थी।
- 1907 में आज ही के दिन भारत के स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित डकैती की पहली घटना चिंगरीपोटा रेलवे स्टेशन पर हुई थी।
- 1896 में आज ही के दिन मध्य प्रदेश के प्रमुख सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्त्ता बृजलाल वियाणी का जन्म हुआ था।
- 1732 में 6 दिसंबर के दिन ही ईस्ट इंडिया कंपनी के पहले गर्वनर जनरल वॉरेन हेस्टिंग्स का जन्म हुआ था।
- 2015 में आज ही के दिन प्रसिद्ध भारतीय चरित्र अभिनेता राम मोहन का निधन हुआ था।
- 2009 में 6 दिसंबर के दिन ही हिंदी फिल्मों की प्रसिद्ध अभिनेत्री बीना राय का निधन हुआ था।
- 1998 में आज ही के दिन परमवीर चक्र सम्मानित भारतीय सैनिक मेजर होशियार सिंह का निधन हुआ था।
- 1956 में 6 दिसंबर के दिन ही एक बहुजन राजनीतिक नेता भीमराव आंबेडकर का निधन हुआ था।

भारतीय राजनीति में पहचान आधारित पैंतरे के जोखिम

राजेश रामचंद्रन

अब जबकि चुनाव परिणाम के नतीजे लगभग सामने हैं। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों से अहम सबक यह है कि हिंदी भाषी क्षेत्र में गैर-भाजपा पार्टियों में कांग्रेस अभी भी सबसे मज़बूत दल है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ ऐसे सूबे हैं जहां पर कांग्रेस और भाजपा के बीच दो ध्रुवीय मुकाबला होने की रिवायत रही है। हालांकि, तेलंगाना में कांग्रेस की जीत यह सिद्ध करती है कि क्षेत्रीय दलों के ग्रहण लगने के बावजूद उसकी जड़ें कायम हैं।

कांग्रेस एक पुरानी पार्टी है, अलबत्ता चुनावी मौसम के दौरान इसमें कुछ हरी कोंपलें उग आती हैं जिनका मकसद सत्ता से खिन्न मतदाता के जरिये ताकत प्राप्त करना होता है। एक ऐसी पार्टी है जिसका एकमात्र तर्क रहा है, सत्ता। चूंकि एजेंडा तभी क्रियान्वित होता है जब सरकार हो, अतएव सामाजिक बदलाव के लिए सक्रिय अभियान चलाने वाले कार्यकर्ता की क्या जरूरत। ऐसा दल चुनाव के समय का इंतजार यह देखने के लिए करते हैं कि क्या फिज़ा में बदलाव आया है और लोगों का मिजाज़ सत्ताधारी दल के प्रति मोह से मोहभंग में परिवर्तित हुआ है या नहीं। तब केवल इतना करने की जरूरत होती है कि नाराज़ जनता के सामने खुद को सबसे काबिल विकल्प के रूप में पेश किया जाए। लेकिन इसकी बजाय, यह मत समझें कि जनता के मिजाज़ में बदलाव विचारधारा में भी हुआ है। उक्त दल का सिद्धांत केवल सत्ता है न कि जाति। कांग्रेस विगत में विभिन्न जातीय समीकरण बनाने की कोशिश कर चुकी है, मसलन, उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण-दलित-मुस्लिम, आंध्र प्रदेश में रेड्डी-दलित-मुस्लिम, कर्नाटक में अल्पसंख्यक-पिछड़ा वर्ग-दलित आधारित 'अहिन्दा' नामक युगम, गुजरात में क्षत्रिय-हरिजन-आदिवासी-मुस्लिम का 'खाम' नामक प्रयोग, केरल में कांग्रेस ने मुस्लिम और ईसाई दलों से गठबंधन किया है तो और अन्य जगहों पर भी इसी किस्म के समुच्चय बैठाए। इस तमाम प्रयासों के बावजूद, पार्टी सिकुड़ती गई क्योंकि पहचान-आधारित यह राजनीति विपक्ष के लिए प्रतिक्रियात्मक-गोलबंदी के लिए उत्प्रेरक और वैधता प्रदान करने वाली बनी। वास्तव में यह राजनीतिक जरूरत भले हो लेकिन अनाड़ीपन यह मानना रहा कि मुस्लिम पहचान की राजनीति करने से हिंदुत्व संगठनों के एकजुट होने को बल नहीं मिलेगा, लेकिन यही हुआ और वह भी किस कदर ! कांग्रेस इस बार न केवल सत्ताधारियों के प्रति मतदाताओं के मोहभंग की आसान फसल काटने को तत्पर रही है बल्कि जाति-पहचान का कार्ड भी खेलती रही है। शायद यह चाल किसी राज्य में जीत दिला भी दे, जहां उसने जाति-आधारित जनगणना करवाने का वादा किया हो। शायद आगे राष्ट्रीय स्तर पर भी पिछड़ी जातियों की पहचान आधारित राजनीति करने की कोशिश इस उम्मीद में करे कि इससे हिंदुत्व के घेरे में सेंध लग सके। खैर, जिस तरह मुस्लिम कार्ड ने हिंदू-कार्ड को वैधता दी थी और हिंदू वोट बैंक बना डाला, जोकि 1990 के आखिरी सालों तक भी किसी की कल्पना में नहीं था, ठीक वैसे ही जातीय-पत्ता भी धार्मिक एजेंडे को वैधता देने में प्रभावी हो सकता हैङ्क यह दोनों ही पूर्व-आधुनिक समूह बनाने के संकेतक हैं।मसलन, आंध्र प्रदेश की राजनीति में रेड्डी समुदाय की बहुसंख्या से केवल 'काम्मा' उद्भव को वैधता मिली है, यह ठीक वही है जब उत्तर प्रदेश में कल्याण सिंह के नेतृत्व में हुए गैर-यादव पिछड़ी जाति सशक्तीकरण ने यादवों के विजय रथ को पलट डाला था या फिर कर्नाटक में लिंगायतों का मजबूत बनना अन्य सामाजिक गठबंधनों पर भारी पड़ गया। पिछड़ी जातियों का आरक्षण कोटा 27 फीसदी से बढ़ाकर 42 प्रतिशत या 50 प्रतिशत करना या फिर सरकारी नौकरियों में पिछड़ों और दलितों का कोटा 90 फीसदी करने वाला जुमला केवल एक चुनाव में चल पाएगा, बस इतना ही। तथापि इस नारे को भी किसी भरोसे योग्य पिछड़ी जाति के नेता द्वारा उठाए जाने की जरूरत होगी। हालांकि, इस नारे का कुल प्रभाव सत्तासीनों के प्रति मतदाता के मोह या मोह-भंग की मात्रा पर निर्भर करेगा। लेकिन इस नारे की स्वीकृति में पेंच है कि यह तभी प्रभावशाली होगा जब पिछड़ी जाति के अब तक न आजमाए किंतु भरोसे काबिल नेता द्वारा उठाया जाए।

तथाकथित 'मंडल मसीहा' वीपी सिंह भी राजीव गांधी को केवल जाति-कार्ड खेलकर नहीं हरा पाए थेङ्क लोकसभा में 400 से ज्यादा सीटों वाली शक्तिशाली राजीव सरकार का पराभव बोफोर्स तोपों में रिश्वतखोरी के इल्जाम से ही हुआ था। 'राजा नहीं फकीर है, देश की तकदीर है' का नारा शुचिता, एक राजकुल से संबंधित इंसान द्वारा व्यवस्था को साफ-सुथरा बनाने की छवि की खातिर था। यह विशुद्ध रूप से तत्कालीन सरकार से मतदाता की नाराजगी को भुनाने की राजनीति थी। सत्ता में बने रहने के खातिर जाति-आधारित राजनीति वाले मंडल-पैंतरे ने सिर्फ संघ परिवार के धार्मिक एजेंडा को वैधता प्रदान की थी। जाति-भावना का तोड़ केवल धार्मिक-भावना है। लिहाजा भाजपा के सांसदों की संख्या 1989 में 85 से बढ़कर 1991 में 120 हो गई। इसी बीच, पिछड़ी जातियों में बहुसंख्यक वर्ग के अब तक गैर-आजमाए और बेदाग नेता जैसे कि लालू यादव और मुलायम सिंह का उद्भव अपने कहे पर अमल करने वाले और नव-राजनीतिक चलन के प्रतीक के तौर पर हुआ।लेकिन क्या जाति-आधारित जनगणना की बात करने से वक्त को पीछे ले जाया जा सकता है, वह भी उस वंशवादी राजनेता द्वारा जिसका परिवार विगत में उच्च-जाति के नेतृत्व को बढ़ावा देने का प्रतीक रहा है? क्या कांग्रेस के युवराज का प्रधानमंत्री बनने का प्रयास पिछड़ी जातियों के उद्भव को फलीभूत कर पाएगा? यह होना मुश्किल है क्योंकि पहचान आधारित एजेंडे में टकराव की राजनीति अंतर्निहित है, जिसके लिए एक दुश्मन होना जरूरी हैङ्क एक अपसंद 'विजातीय'। उच्च जाति 1990 के दशक के वह 'विजातीये' थे जिन्होंने गंगा के मैदान में स्वतंत्रता के बाद से राज किया। उच्च जाति को विजातीय मानने की भावना उस वक्त जाकर घटी जब पिछड़ी जाति, खासकर मुलायम सिंह और लालू के कुनबे, 1989-90 से गांगीय-प्रदेश में सुशासन देने में नाकाम रहे। साथ ही, चुनावी रूप से, संघ परिवार मध्ययुग में कथित उत्पीड़न के प्रतीक वर्ग को भारतीय राजनीति में बतौर 'विजातीय' पेश करने में सफल रहा और यहां किसी भी प्रकार की शैक्षणिक या सैद्धांतिक युक्ति यह बताने में असमर्थ है कि एक किस्म की नफरत दूसरे से बेहतर कैसे है। वैसे भी भारतीय गांवों में विशेषाधिकार सापेक्ष है। पुराने वक्त का दमनकारी अचानक सौम्य दिखाई पड़ता है। अधिकांश भारतीय चुनावी क्षेत्रों में, बहुसंख्या रखने वाली जाति की अपेक्षा अन्य सभी जातियों की कुल गिनती सदा कहीं अधिक रहेगी। इसलिए बिना विचारे अधिक गिनती रखने वाले पिछड़े वर्ग की राजनीति उलटी भी पड़ सकती है क्योंकि तब फिर बाकी सब नए 'वर्चस्ववादी' को हराने को एकजुट हो जाएंगे। आखिरकार, पिछड़ी जाति जैसा कुछ नहीं है, यह सदा से अमुक जाति बनाम अन्य वाला मामला रहा है।

इसी बीच, भाजपा ने आहिस्ता ने एक अन्य 'विजातीय' पेश कर दियाङ्क भ्रष्ट राजनेता। छत्तीसगढ़ और राजस्थान के चुनावी प्रचार में क्रमशः मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और सीएम अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत के कथित भ्रष्टाचार को तुरुप का पत्ता बनाया गया। यदि सत्तासीन दल के प्रति लोगों का झुकाव बरकरार हो, तो ऐन चुनाव के वक्त पर प्रवर्तन निदेशालय के छापे और विपक्षी प्रचार प्रभावहीन रहता है। और इसी में भारतीय लोकतंत्र की मजबूती निहित है।फिर, हवा में रस्सी खड़ा करके उस पर चढ़ने वाले भारतीय जादुई करतब में प्रभाव सदा किसी जादूगर या फ़कीर का रहा है न कि रस्सी या जमूरे का। फिर इस पहचान की कलाकारी के लिए एक माहिर बाजीगर की जरूरत है जिसके बिना साउथ ब्लॉक में प्रधानमंत्री कार्यालय की कुर्सी तक रस्सी का छोर नहीं पहुंच सकता।

साभार : यह लेखक के अपने विचार हैं।

जलवायु संकट : वादों को जमीन पर उतारने का वक्त

शिव शरण शुक्ला

आज हम जलवायु संकट के मुहाने पर खड़े हैं, जिसने जलवायु से जुड़े वादों को तत्काल गतिविधियों में बदलने की जरूरत स्पष्ट कर दी है। ग्लासगो में संपन्न वैश्विक जलवायु सम्मेलन (कॉप-26) में महत्वाकांक्षी नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्यों की घोषणा की गई थी, लेकिन दुबई में चल रहे कॉप-28 पर इन वादों को जमीन पर उतारने की जिम्मेदारी है। जिस तरह से वर्ष 2023 ने गर्मी, सूखा, बाढ़, लू और दावानल (जंगल की आग) के रिकॉर्ड तोड़े हैं, जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए तेज और निर्णायक कदम उठाने की जरूरत को कम करके नहीं आंका जा सकता है।

कॉप-28 में ग्लोबल स्टॉकटेक (जीएसटी) एक निर्णायक अवसर के रूप में सामने आया है। यह देशों की सामूहिक प्रगति का एक रिपोर्ट कार्ड है, जिसमें वादों, उठाए गए कदमों और भविष्य के सख्त कदमों की जानकारी शामिल होगी। जीएसटी पेरिस जलवायु समझौते की आधारशिला है, जिसका उद्देश्य वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 से दो डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए सामूहिक प्रगति की समय-समय पर समीक्षा करना है।

इसलिए कॉप-28 में संपन्न हो रहा पहला जीएसटी एक सतर्क दृष्टिकोण अपनाने, दोषारोपण से दूर रहने और जलवायु गतिविधियों के लिए जलवायु न्याय व उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने की मांग करता है। यह जलवायु परिवर्तन को रोकने वाली कार्य योजनाओं के अगले चरण की जानकारी देगा, जिन्हें सदस्य देशों को 2025 में सामने रखने की जरूरत होगी।

ग्लोबल साउथ और भारत जैसे विकासशील देशों की चिंताओं को दूर करने के लिए कॉप-28 में जलवायु न्याय के चार प्रमुख स्तंभों को प्राथमिकता देनी चाहिए- पहला स्तंभ, हानि व क्षति कोष की मात्रा और इसमें विकसित देशों की भूमिका को परिभाषित किया जाना चाहिए। खुशी की बात है कि कॉप-28 के पहले दिन हानि व क्षति कोष को स्वीकार कर लिया गया है, जिसकी देख-रेख अस्थायी रूप से विश्व बैंक करेगा। हालांकि, इस कोष में सहायता देने की कोई बाध्यता नहीं है, और कोष के आवश्यक लक्ष्य का भी उल्लेख नहीं है। लेकिन जलवायु परिवर्तन से विकासशील देशों को अरबों डॉलर का नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसलिए कोष इस मांग के अनुरूप होना चाहिए। साथ में, यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि कितनी मात्रा अनुदान और कितनी मात्रा रियायती ऋष्टा के रूप में दी जाएगी। दूसरा स्तंभ उत्तरदायित्व सुनिश्चित करना है। बढ़ते कार्बन उत्सर्जन के लिए सभी देश समान रूप से जिम्मेदार नहीं हैं। इसलिए कॉप-28 को विकसित देशों से विस्तारित एनडीसी, नेट-जीरो लक्ष्य के लिए साल-दर-साल उत्सर्जन कटौती का खाका तैयार करने और जलवायु वित्त की मात्रा बढ़ाने की मांग करनी चाहिए, जिसे (वित्त) विकसित देशों को तेजी से उपलब्ध कराने की जरूरत है।

तीसरा स्तंभ जलवायु लचीलापन है, जिस पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। विभिन्न आपदाओं के खतरों के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों और कृषि वानिकी जैसे प्रकृति-आधारित समाधानों में निवेश करना, समय से तैयारी करना और आपदाओं से मुकाबला करने के लिए लचीलापन विकसित करना बहुत जरूरी है। देशों और व्यक्तियों की अनुकूलन क्षमताओं को बढ़ाने और बदले में लाभ पाने के लिए कॉप-28 में भारत की ओर से घोषित ग्रीन क्रेडिट पहल एक अच्छी दिशा है। सीईईडब्ल्यू के आकलन के अनुसार, भारत को नेट-जीरो बुनियादी ढांचे के विकास का लक्ष्य पाने के लिए अगले पांच दशकों में लगभग 100 खरब डॉलर के पूंजीगत व्यय की जरूरत होगी। चौथे स्तंभ के तहत, कॉप-28 में जलवायु वित्त को स्पष्ट परिभाषित करना चाहिए, और पुराने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने को प्राथमिकता देनी चाहिए। ग्लोबल साउथ को तत्काल कम दर पर वित्तपोषण की जरूरत है। बहुपक्षीय विकास बैकों में भी सुधार की जरूरत है, ताकि वे विकासशील देशों के लिए वित्तीय जोखिम और लागत घटा सकें।दुबई में हो रहे कॉप-28 को दोहरावभरी बयानबाजियों से आगे बढ़ना चाहिए। इस सम्मेलन पर पूरे विश्व की निगाहें हैं और अब सार्थक कदम उठाने का समय है।

– साभार : लेखक पॉलिसी रिसर्च थिंक टैंक काउंसिल ऑन एनर्जी, इनवायरनमेंट ऐंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का किया गया निराकरण, 15 आवेदनों पर की गई सुनवाई

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें कलेक्टर नीरज कुमार सिंह और जिला पंचायत सीईओ एस एस रावत ने अधिकारियों के साथ जनसामान्य की समस्याओं पर गंभीरता से सुनवाई कर उनका निराकरण किया। जनसुनवाई में आए 15 आवेदनों पर सुनवाई की गई। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही पिछली जनसुनवाई में आए आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी भी ली।

जनसुनवाई में नर्मदापुरम निवासी शैल शर्मा ने उनकी आवासीय भूखंड को व्यवसायिक भूमि में परिवर्तन किए जाने के संबंध में आवेदन दिया। इसी प्रकार नर्मदापुरम निवासी कविता मेहरा ने आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के संबंध में आवेदन दिया। मालाखेड़ी निवासी लखन लाल वर्मा ने फसल नुकसानी के संबंध में दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के संबंध में आवेदन दिया। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर अधिकारियों ने सुनवाई कर उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर अनिल जैन, सीएमओ नवनीत पांडे सहित अन्य सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

फसलों में होने वाले जोखिम से बचने किसान कराएं फसल बीमा

फसल बीमा की अंतिम तिथि 31 दिसंबर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले के किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत रबी मौसम 2023-24 में अधिसूचित फसलों का बीमा 31 दिसंबर 2023 तक करवा सकते है। शासन के निर्देश अनुसार बीमा कराने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। किसान भाई निर्धारित तिथि तक संबंधित बैंकों / समिति में अपनी फसल का बीमा करा सकते है। फसल बीमा योजना शासन द्वारा स्वैच्छिक की गई है, जो किसान भाई इस बीमा योजना से बाहर होना चाहते है, वह बीमा की निर्धारित अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2023 से एक सप्ताह पूर्व संबंधित बैंक / समिति में निर्धारित आवेदन पत्र देकर योजना से बाहर हो सकते है। रबी मौसम के लिए प्रीमियम राशि स्केल ऑफ फायनेंस का 1.5 प्रतिशत देय है। अऋणी कृषक अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा संबंधित बैंक शाखा एवं लोकसेवा केंद्र के माध्यम से करवा सकते हैं। ऋणी कृषकों का बीमा संबंधित बैंक के माध्यम से किया जायेगा। रबी मौसम में पटवारी हल्का स्तर पर गेहूं सिंचित, गेहूं असिंचित, चना एवं राई, सरसों फसलों को अधिसूचित किया गया है। रबी गेहूं, सिंचित फसल हेतु प्रति हेक्टेयर 652.50 रू. चना फसल हेतु प्रति हेक्टेयर 540 रू. एवं राई/सरसो फसल हेतु प्रति हेक्टेयर 465 रु. प्रीमियम किसानों को देय होगा। बीमा कराने के लिये किसानों को बोई गई फसलों का बोनी प्रमाण पत्र देने के लिए शासन स्तर से पटवारी पंचायत एवं सरपंच को अधिकृत किया गया है।

अऋणी कृषको हेतु आवश्यक दस्तावेज तथा फसल बीमा प्रस्ताव फार्म, आधार कार्ड व मोबाईल नंबर (आधार कार्ड अनिवार्य है, अन्य पहचान पत्र, शासन द्वारा मान्य दस्तावेज, वोटर आई.डी कार्ड, राशन कार्ड, पेन कार्ड, समग्र आई.डी., ड्रायविंग लाईसेंस), भू-अधिकार पुस्तिका, बोनी प्रमाण पत्र अनिवार्य रहेगा।अकिसान भाईयो से अनुरोध है कि जो किसान अपनी फसलों का बीमा कराना चाहते है, वे 31 दिसंबर 2023 तक संबंधित बैंक में जाकर अपनी फसल का बीमा अवश्य कराये।

लाडली बहनों को है शिवराज सिंह के मुख्यमंत्री बनने की आस

भैया को मुख्यमंत्री बनाने के लिए बहनों ने किया था मतदान: मीरा बाई

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने के लिए नरेंद्र मोदी का योगदान तो माना जा रहा है लेकिन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह द्वारा शुरू की गई लाडली बहना योजना से प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने में काफी मदद मिली।

लाडली बहनों का कहना है कि हमने तो शिवराज भैया के नाम पर वोट दी है. उन्होंने हम बहनों का जिस तरह ख्याल रखा वैसा ख्याल आज तक किसी मुख्यमंत्री ने नहीं रखा. नर्मदापुरम में रहने वाली मीराबाई यादव का कहना है कि मैंने एवं मेरे साथ की अधिकांश महिलाओं ने पोलिंग बूथ पर जाकर मुख्यमंत्री शिवराज भैया के पक्ष में मतदान किया था. इसलिए उनको मुख्यमंत्री फिर से बनाया जाना चाहिए।

मीराबाई ने बताया कि यदि हाई कमान द्वारा मध्य प्रदेश में शिवराज भैया के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाया तो यह उल्टा निर्णय नहीं होगा। आगामी लोकसभा

इस तरह एक नहीं अनेक महिलाओं ने अपने विचार रखते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भैया शिवराज सिंह चौहान के द्वारा चलाई गई लाडली बहना योजना का ही परिणाम है जो इस बार प्रदेश में भाजपा को अनुमान से कहीं अधिक सीटों पर विजय प्राप्त हुई. लोकसभा चुनाव में भाजपा को यदि जीत का यही सिलसिला जारी रखना है तो मध्य प्रदेश में भैया शिवराज सिंह को मुख्यमंत्री बनाया जाना जरुरी है।

हरदा से हारने के बाद कृषि मंत्री कमल पटेल ने मतदाताओं का किया आभार व्यक्त

हरदा जिले में भाजपा का सफाया, टिमरनी और हरदा में कांग्रेस की जीत का जश्न

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

प्रदेश में भाजपा की सरकार बनना निश्चित है. लेकिन नर्मदापुरम संभाग के हरदा जिले में भाजपा का सूपड़ा साफ हो गया।

हरदा जिले की टिमरनी विधानसभा से भाजपा के संजय शाह को कांग्रेस के अभिजीत शाह ने मामूली अंतर से पराजित किया। हरदा विधानसभा सीट से कई बार विधायक रहे मंत्री रहे और वर्तमान में प्रदेश के कृषि मंत्री के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले कमल पटेल को भी मतदाताओं ने घर बैठा दिया है। वर्ष 2013 विधानसभा चुनाव में कमल पटेल को पहली बार हराने वाले कांग्रेस के रामकिशोर दोगने ने कमल पटेल को इस बार 870 वोट से हराकर दूसरी बार विधायक बनने का गौरव प्राप्त किया है.

टिमरनी विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी संजय शाह को कांग्रेस के अभिजीत शाह ने 950 वोट से हराकर कई वर्षों बाद टिमरनी में कांग्रेस का परचम लहराया है। संघर्षपूर्ण मुकाबले में कृषि मंत्री भाजपा नेता कमल पटेल हरदा से चुनाव हार गए. उन्होंने हारने के बावजूद जनता का आभार व्यक्त किया और कहा कि मैं हमेशा जनता की मदद के लिए उनके सहयोग के लिए तत्पर रहूंगा।

160 स्कूली छात्राओं को दिया गया आत्मरक्षा का प्रशिक्षण, छात्राओं को बांटे ट्रैकसूट और प्रमाणपत्र

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम जिले में पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार और विकास की अपार संभावनाएं है, जिसमें मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा लगातार कार्य किये जा रहे हैं। इसी तारतम्य में मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा संचालित महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना के अंतर्गत जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में इंडियन ग्रामीण सर्विसेज एवं जिला पुरातत्व पर्यटन संस्कृति परिषद के संयुक्त तत्वधान में पचमढ़ी पर्यटन स्थल के पिपरिया ब्लॉक के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हंथवास स्कूल की छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया गया ताकि छात्राओं को अपनी सुरक्षा के लिए काम आएगा, जिसमें सभी छात्राओं ने आत्मरक्षा के गुर सीखे प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन उपरांत सभी छात्राओं को प्रमाण पत्र व ट्रैक सूट वितरण किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला पुरातत्व पर्यटन संस्कृति परिषद से मनोज सिंह ठाकुर, प्रशिक्षक मास्टर हरिशंकर, इंडियन ग्रामीण सर्विसेज के संकुल प्रमुख अर्चना दास की उपस्थिति में 160 आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्राप्त छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं ट्रेक सूट वितरित किये गये। अर्चना दास के द्वारा स्कूल की अध्ययनरत बालिकाओं को पर्यटन से संबंधित क्षेत्रों में रोजगार व स्वरोजगार से जुड़ने हेतु जॉब रोल तथा महिला उत्पीडन उन्मूलन के विषय में जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में हथवास विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य पुष्पा लिखार, संतोष सोनी, हीरा आरसे, वसुंधरा चौहान, अर्चना टागोरिया आदि उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

लोक अदालत में 9 दिसम्बर को

उपभोक्ताओं को विवादित बिजली बिलों पर मिलेगी 30 प्रतिशत छूट

विदिशा , दोपहर मेट्रो

जिले में आगामी 9 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित किया जाएगा। इसके माध्यम से विद्युत मामलों में अधिनियम 2003 की धारा 126 एवं 135 के तहत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए निम्न दाब श्रेणी के सभी घरेलू, कृषि में 5 किलोवाट के गैर घरेलू 10 हार्सपावर भार तक औद्योगिक उपभोक्ताओं को छूट दी जाएगी।

प्री-लिटिगेशन स्तर पर कंपनी. द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किए जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के बाद प्रत्येक 6 माही चक्रवृद्धि दर के अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। लिटिगेशन स्तर पर कंपनी द्वारा आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किए जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिन की अवधि समाप्त होने के बाद प्रत्येक 6 माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

आवेदक को निर्धारित छूट के मिलने के उपरांत शेष देय आंकलित सिविल दायित्व एवं ब्याज की राशि का एकमुश्त भुगतान करना होगा। उपभोक्ता की विचाराधीन प्रकरण वाले परिसर एवं अन्य परिसरों पर उसके नाम पर किसी अन्य संयोजन व संयोजनों के विरुद्ध विद्युत देयकों की बकाया राशि का पूरा भुगतान करना होगा। आवेदक के नाम पर कोई विधिक संयोजन होने की स्थिति में छूट का लाभ लेने के लिए आवेदक द्वारा विधिक संयोजन प्राप्त करना एवं पूर्व में - विच्छेदित संयोजनों के विरुद्ध बकाया राशि का पूरा भुगतान किया जाना अनिवार्य होगा।

नेशनल लोक अदालत में छूट आवेदक द्वारा विद्युत चोरी एवं अनधिकृत उपयोग पहली बार किए जाने की स्थिति में ही दी जाएगी। विद्युत चोरी अनधिकृत उपयोग के प्रकरणों में पूर्व की लोक अदालत में छूट प्राप्त किए उपभोक्ता छूट के पात्र नहीं होंगे। सामान्य विद्युत देयकों के विरूद्ध बकाया राशि पर कोई छूट नहीं दी जाएगी। उक्त छूट नौ दिसंबर को आयोजित नेशनल लोक अदालत में आंकलित सिविल दायित्व राशि 50 हजार रुपए मात्र तक के प्रकरणों के लिए सीमित रहेगी।

नेशनल लोक अदालत हेतु 28 खण्ड पीठो का गठन

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री जाकिर हुसैन के मार्गदर्शन में नौ दिसम्बर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला एवं तहसील स्तर पर एक साथ किया गया है। जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री मसूद अहमद खॉन द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार नेशनल लोक अदालत का जिले में सुव्यवस्थित रूप से आयोजन हेतु 28 खण्ड पीठो का गठन किया गया है। तहसील न्यायालय गंजबासौदा, सिरोंज, कुरवाई एवं लटेरी में एक साथ आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के अलावा राजस्व न्यायालयों, एमपीबीई, नगरपालिका परिषद में भी नेशनल लोक अदालतो का आयोजन किया जाएगा।

नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित समझौता योग्य सिविल एवं आपराधिक प्रकरण, बैंको के ऋण वसूली प्रकरण, बीएसएनएल, सम्पत्तिकर एवं जलकर के प्रीलिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण हेतु खण्ड पीठो का गठन किया गया है तदानुसार विदिशा मुख्यालय में 12 के अलावा तहसील न्यायालय में गठित खण्ड पीठो की जानकारी अनुसार गंजबासौदा में सात, सिरोंज, कुरवाई एवं लटेरी सहित तीनो में क्रमशः 3-3खण्ड पीठो का गठन कर पीठासीन अधिकारी एवं सदस्यों को नामांकित किया गया है। इसके अतिरिक्त राजस्व प्रकरणों के निराकरण हेतु भी खण्ड पीठो का गठन किया गया है।

नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित समझौता योग्य के लगभग 3892 प्रकरण तथा 8413 प्रीलिटिगेशन प्रकरण निराकरण हेतु प्रस्तुत किए जाएंगे। लोक अदालत में मोटर दुर्घटना, क्षतिपूर्ति दावा, धारा 138 एनआई एक्ट, पारिवारिक मामले, समझौता योग्य आपराधिक एवं सिविल मामलो को निराकरण हेतु प्रस्तुत किया जाएगा।

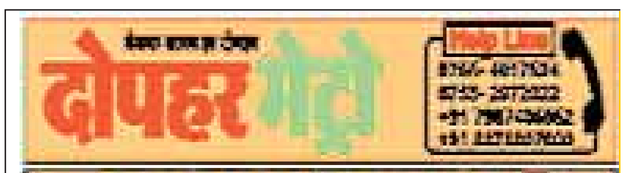

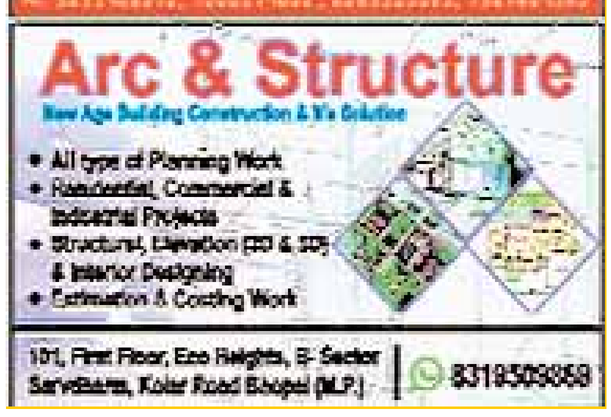

प्रचंड जीत मिलने पर आज मतदाताओं का आभार जताने खुली जीप में सवार होकर निकलेंगे उमाकांत शर्मा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सिरोंज लटेरी क्षेत्र की जनता जनार्दन ने भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार उमाकांत शर्मा को एक बार फिर भारी बहुमत से विजय बनाकर विधानसभा भेजने का किया है। ऐतिहासिक जीत मिलने पर विधायक उमाकांत शर्मा नगर वासियों के साथ क्षेत्र की जनता जनार्दन का आभार व्यक्त करने खुली जीप में सवार होकर दोपहर 1 बजे जय स्तंभ चौक से निकलेंगे और शहर का भ्रमण करते हुए श्री चंद्र मोहन शर्मा सभागर पर शाम 4 बजे आभार सभा को भी संबोधित करेंगे भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल के तत्व धाम में आयोजन होगा मीडिया प्रभारी सचिन शर्मा ने बताया कि प्रचंड जीत पर सभी मतदाताओं , कार्यकर्ताओं का आभार जताने के लिए आभार यात्रा एवं आभार सभा होगी इसमें किसी भी तरह का स्वागत आदि नहीं करना है। जिसको लेकर विशेष अनुरोध किया गया है। आभार यात्रा में सभी को आमंत्रित भी किया गया है। दूसरी और लटेरी में आयोजित आभार यात्रा में जनसमूह को उन्होंने दंडवत होकर जनता जनार्दन को प्रणाम करके ऐतिहासिक सहयोग के लिए आभार जताया और कहा कि मैं जनता जनार्दन का अंतरात्मा की गहराई से आभार व्यक्त करता हूं ।

स्वास्थ्य विभाग के पास नही है क्लीनिकों व नर्सिंग होमों की कोई जानकारी

शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा फर्जी डॉक्टरों की जांच हुई शुरू

ग्रामीण क्षेत्रो में पहुची टीम, असली या नकल यह किसी को पता नही,उठ रहें कई सवाल

सिरोंज , दोपहर मेट्रो।

जिस तरह साल में प्रत्येक बार मौसमी बीमारिया आती है और कुछ ही समय बाद चली जाती है। इसी तरह सिरोंज के स्वास्थ्य विभाग हाल है यहा पर भी प्रत्येक वर्ष फर्जी डॉक्टरों को लेकर टीम गठित होती है और वह टीम जोर सोर से शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रो में संचालित क्लीनिकों की जांच में लग जाती है। यह क्रम लगभग एक सप्ताह तक चलता है और इसके बाद न तो टीम का कोई पता चलता और नही ही जांच होती दिखाई देती। वही इस पूरे मामले को ठण्डे बस्तें में बंद कर दिया जाता है। प्रत्येक वर्ष जब भी नए सीएमएचओं एंव नए बीएमओ आते है तो वह फर्जी क्लीनिकों की फाइल को खोलते है। इसी तरह ही स्वास्थ्य विभाग का यह क्रम चलता रहता है और अब फिर सिरोंज में झोलाछाप डॉक्टरों की क्लीनिकों की जांच का क्रम प्रारंभ हो गया है।

सीएमएचओ विदिषा के आदेश के बाद जांच हुई पुनः प्रारंभ

सिरोंज में प्रत्येक वर्ष के अनुसार इस वर्ष भी स्वास्थ्य विभाग ने सीएमएचओ के आदेष के बाद बगैर डिग्री धारी डॉक्टरों की क्लीनिकों पर कार्यवाही करना प्रारंभ कर दिया। बीएमओं डॉ विकास बघेल ने सीएमएचओ के आदेष का पालन करते हुए एक चार सदस्य टीम गठित की और जांच प्रारंभ की।

टीम की जांच पर उठें गई सवाल

बीएमओ डॉ विकास बघेल ने सीएमएचओ के आदेष के बाद सिरोंज अस्पताल में पदस्थ डॉक्टर व कुछ कर्मचारियों को मिलाकर एक चार सदस्य टीम गठित की। वही उक्त चार सदस्य टीम में मेडिकल ऑफिसर डॉ गोलू जाटव,फार्मासिस्ट विनय पर्वत राव ढौरे,बी.पी.एम राम बाबू दांगी,नर्सिंग ऑफिसर दीक्षा सरोदे आदि शामिल है। यह टीम जब शहर में क्लीनिकों की जांच करने के लिए निकली तो इस टीम के पास न तो कोई प्लानिंग नही थी और न ही उक्त टीम को यह जानकारी थी कि सिरोंज में कितनी नर्सिग होम व कितनी क्लीनिक संचालित की जा रही है। टीम द्वारा सिर्फ हवा में जांच की जा रही थी। शहर की क्लीनिकों व नर्सिग होमों की जांच पूरी हो नही पाई और टीम ग्रामीण क्षेत्रो में जांच के लिए निकल पडी। जैसे ही यह जांच टीम ग्रामों में पहुची तो टीम ने एक ही जगह बैठकर बगैर डिग्री धारी डॉक्टरों को एक जगह बुलाकर उनसे चर्चाए शुरू कर दी। ग्रामीण क्षेत्र के कुछ डॉक्टरों ने अपना नाम न बताते हुए कहा कि टीम ने हमसे कहा है कि यदि आप हमारी चाय नाष्ता की व्यवस्था कर देते है तो हम आगे जांच के लिए निकल जाएगें जिससे की आप प्रकरण से बच जाएगें। जबकि पूर्व मे जब भी कभी स्वास्थ्य विभाग की जांच टीम क्लीनिकों की जांच के लिए निकलती थी तो टीम के साथ प्रषासन के कुछ अधिकारी कर्मचारी भी टीम के साथ रहते थें। लेकिन इस बार टीम के साथ अस्पताल के एक जिम्मेदार मेडिकल ऑफिसर के साथ 3 अन्य कर्मचारियों को शामिल किया गया। जिससे ऐसा प्रतीत होता है। कि स्वास्थ्य विभाग ने जांच के नाम पर सिर्फ रस्मदायी कर ली हो।

अस्पताल प्रबंधन के पास भी नही कोई जानकारी

शासकीय राजीव गांधी चिकित्सालय सिरोंज में प्रत्येक वर्ष अस्पताल प्रबंधन द्वारा क्षेत्र में संचालित नर्सिंग होमो व क्लीनिकों का सर्वे कराकर जानकारी जुटाई जाती है। शहर में कितने डॉक्टर रजिस्टेड है और कितने डॉक्टर बिना डिग्री के ही अपनी दुकान चला रहें है। यह जानकारी अस्पताल प्रबंधन लगभग चार वर्षो से एकत्रित कर रहा है और उसी के आधार पर नोटिस जारी कर कार्यवाही की रूपरेखा तैयार की जाती है। आखिर हर वर्ष किए गए सर्वे की जानकारी की फाईल कहा गुम जाती है। इस बार भी बीएमओ डॉ विकास बघेल के पास भी कोई जानकारी नही थी। जब उन्होने अस्पताल कार्यालय में मालूम किया तो कार्यालय में भी कोई जानकारी नही मिली। तब उन्होने विदिषा सीएमएचओ ऑफिस से जानकारी एकत्रित की।

गावों में पहुची टीम लेकिन बीएमओ को जानकारी भी नही

बगैर डिग्री धारी डॉक्टरो की क्लीनिकों की जांच करने के लिए गठित की गई टीम को लेकर शहर में हडकंप मची। वही यह हडकंप गांवो तक पहुच गई गांवों में जाकर टीम ने बगैर डिग्री धारी डॉक्टरों की मीटिंग लेकर चाय नाष्ता की बात कर टीम वापस लौट गई। जब मीडिया ने बीएमओ डॉ विकास बघेल से चर्चा की तो उन्होने स्वीकार किया कि मेरे पास भी इस तरह की कई षिकायत आई है लेकिन कोई कुछ बता नही रहा है। आखिर यह खेल किस के इषारे पर और कहा से चल रहा है यह बात समझ से परे है।

इनका कहना है -

सीएमएचओ के आदेष के अनुसार बगैर डिग्री धारी डॉक्टरों के क्लीनिकों व नर्सिंग होमो के दस्तावेजों की जांच के लिए मेरे द्वारा चार सदस्य टीम बनाई गई जो सिरोंज व ग्रामीण क्षेत्रो में जांच करेगें। मेरे पास भी कुछ लोगो की षिकायत आई है लेकिन यह पता नही चल रहा आखिर वह कौन लोग है जो पैसे की मांग कर रहें है।

***डॉ विकास बघेल,** बीएमओं सिरोंज।*

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने फर्जी क्लिनिकों की जांच करने पहुंची तो खुली पोल, मचा हड़कंप

सिरोंज। नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले फर्जी क्लीनिक और फर्जी तरीके से अस्पतालों का संचालन हो रहा है। फर्जी तरीके से संचालित हो रहा है अस्पताल क्लिनिको की जांच करने के लिए एक बार स्वास्थ्य विभाग की टीम जांच पड़ताल करने पहुंची है ।इसकी जानकारी लगते ही फर्जी बड़ा करने वालों में हड़कंप मच गया। वहीं शिकायतों के बाद ही स्वास्थ्य विभाग के द्वारा कार्रवाई के नाम पर खाना पूर्ति कर दी जाती एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग के पास शिकायत पहुंची तो जिम्मेदारों को जांच पड़ताल करने की याद आई तो कई क्लिनिक, नर्सिंग होम 10वीं और 12वीं पास फेल भी संचालित करके मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ करने में लगे हुए हैं है। कई जगह तो अस्पतालों में डिलीवरी से लेकर बच्चों को गिराने का काम नहीं किया जाता है दूसरी ओर ऑपरेशन भी हो रहे हैं। कई बार मरीजों की मौत भी हो चुकी है हर बार शिकायत मिली कार्रवाई के नाम पर सुनने बाटा सन्नाटा। वहीं जांच में कई लापरवाही स्वास्थ्य विभाग की टीम को मिली है इसके बाद टीम ने आगे कार्रवाई करने की बात कही हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम भनक लगते ही अधिकांश फर्जी डॉक्टर ओर संचालक इनको बंद करके चलते बने दूसरी ओर जनता की सेहत के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ देखना है कितनी ठोस कार्रवाई होगी वही बीएमओ श्री सिंह में बताया कि जांच में कई क्लिनिक फर्जी तरीके संचारित हो रहे हैं साथ ही कुछ अस्पताल भी नियम विरुद्ध संचालित हो रहे हैं , इनकी जांच की जा रही है जांच में जो भी गड़बड़ी पाई गई है। उसके बाद कार्रवाई की जाएगी अब देखना है कि इस बार करवाई होगी या हर बार की तरह कागजी खाना पूर्ति ही होगी और फर्जी वाला करने वाले की तरह आम आदमी की जान लेने रहेंगे।

मुख्य बाजार में भारी वाहनों के प्रवेश से लगा जाम, पुलिसकर्मी चौकी में बैठकर करते रहे टाइम पास

सिरोंज। शहर में यातायात पुलिस प्रशासन के द्वारा तो यातायात की व्यवस्था को ठीक करने के लिए कोई ध्यान नहीं दिया। इसकी वजह से व्यवस्था तो भगवान भरोसे ही संचारित हो रही है। जाम चलते आम से लेकर खासकर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एक तरफ बड़े-बड़े बोर्ड लगाकर भारी भनोट प्रेस लगने की बात यातायात पुलिस करती है दूसरी ओर इनकी मिली भगत से ही दिन के समय भारी वाहनों प्रवेश निरंतर जारी रहता है। इनके द्वारा इस निर्देश को धरातल पर पालन नहीं किया जा रहा। इसके कारण भारी वाहनों का प्रवेश निरंतर जा रही है ।अब तो मुख्य बाजार में भी बड़े-बड़े वाहन दिन में पहुंचने लगे इस वजह से जाम की समस्या विकराल रूप लेती जा रही है। सोमवार को मुख्य बाजार में चार पहिया वाहन के पहुंचने के कारण काफी लंबा जाम लग गया इस कारण से दो पहिया वाहन चालकों के साथ राहगीरों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा वहीं पुलिस चौकी पर मौजूद पुलिस कर्मी मोबाइल पर टाइम पास करते रहे इनके द्वारा भी जाम को खुलवाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया इन दोनों शादी विवाह के कारण बाजार में भारी पहल हो रही इस वजह से आम जनता को परेशानी हो रही है फिर भी व्यवस्था को ठीक करने के लिए उनके द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा।

हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर कजलास व हरनावदा का एनक्यूएएस के लिए हुआ नेशनल असेसमेंट

सीहोर । कलेक्टर प्रवीण सिंह के मार्गदर्शन में संपूर्ण कायाकल्प अभियान अंतर्गत एनक्यूएएस मानक (नेशनल क्वॉलिटी एश्यूरेंस स्टेण्डर्ड) के तहत आष्टा के हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर कजलास तथा एचडब्ल्यूसी हरनावदा का राष्ट्रीय स्तर के दल द्वारा सघन निरीक्षण एवं भ्रमण किया गया। राष्ट्रीय स्तर के दल में डॉ. रवीन्द्र अहलावत (हरियाणा) तथा मोहम्मद अब्दुल हाकीम मियान (आंध्रप्रदेश) शामिल रहे। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा

एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.सुधीर कुमार डेहरिया, डीपीएम डॉ. दीपक डेहरिया, विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी आष्टा डॉ.सुरेश माहोर, सीएचसी जावर प्रभारी डॉ.अमीत माथुर, मूल्यांकन अधिकारी नीलेश गर्ग सहित एवं अन्य विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि राष्ट्रीय दल द्वारा संस्थाओं में प्रदान की जाने वाली सुविधाओं, ओपीडी, लेबोरेटरी, नेशनल हेल्थ प्रोग्राम, सहित 08 क्षेत्रों का सूक्ष्म निरीक्षण कर रिकार्ड प्रबंधन का मूल्यांकन किया गया। हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर परिसर तथा ओपीडी एवं अन्य समस्त ईकाईओं का भ्रमण कर स्वास्थ्य सेवाएं विस्तार से देखी गई। राष्ट्रीय स्तर के एनक्यूएसएस दल द्वारा स्टॉफ से चर्चा कर दोनों ही संस्थाओं का एन.क्यू.ए.एस. के अंतर्गत नेशनल असेसमेंट किया गया। सीएमएचओ डॉ.डेहरिया ने बताया कि लगातार स्वास्थ्य संस्थाओं में सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। समय-समय पर स्वास्थ्य संस्थाओं का भ्रमण कर सभी ईकाईयों में प्रदाय स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा कर राज्य स्तर से प्राप्त आवश्यक दिशा निर्देशों के अनुसार कार्य किया जा रहा है।

मेट्रो एंकर

क्या लाचार नगर पालिका व्यवस्था में अब होगा परिवर्तन?

सफाई नहीं होने से नालियां चौक, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

सिरोंज , दोपहर मेट्रो।

नगर पालिका परिषद की हालात दिन व दिन है कि यहां पर अधिकांश अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहे है,साफ सफाई से लेकर गुणवत्ता विहीन काम हो रहा है जिम्मेदार आंखें बंद करके भुगतान कर देते हैं । शहर कि अधिकांश नालियों चौक पड़ी है देखने वाले गायब है । परिषद के जिम्मेदारों के द्वारा भी लाचार पड़ी व्यवस्थाओं को ठीक करने के लिए भी ध्यान नहीं दे रहे है इस वजह से अभी नगर पालिका का संचालन भगवान भरोसे हो रहा है ।नगर पालिका अध्यक्ष सीधे होने के कारण नगरपालिका जिम्मेदार उनको गंभीरता से नहीं ले रहे अधिकांश अधिकारी, कर्मचारी उनकी बात को भी ज्यादा गंभीरता से नहीं लेते दूसरी ओर नगर पालिका सीएमओ की बात की जाए तो उनकी स्थिति भी अध्यक्ष की जैसी ही बताई जाती है इस वजह से अधिकांश अधिकारी कर्मचारी मनमर्जी से अपने काम को अंजाम दे रहे हैं। वही नगरपालिका में आने वाले लोगों की समस्याओं को दूर करने के लिए कदम नहीं उठाते हैं।

निर्माण के नाम पर हो रहा है भ्रष्टाचार

नगर में हो रहे निर्माणकारियों की बात की जाए तो अधिकांश ठेकेदारों के द्वारा मनमानी तरीके से घटिया मटेरियल का उपयोग करके घटिया सड़कें बनाने का कार्य किया जा रहा है इसके चलते कुछ दिनों के बाद सड़क है गढ़ों में तब्दील हो रही है शिकायतों के बाद भी जिम्मेदारी ध्यान नहीं देते हैं।

सफाई की हाल भी ठीक नहीं

शहर की सफाई की व्यवस्था में भी परिवर्तन होते हुए दिखाई नहीं दे रहा है। अधिकांश स्थानों पर कूड़े के ढेर लगे रहते हैं इनमें कुछ स्थान तो ऐसे जगह है जहां पर धार्मिक व सामाजिक स्थान है यहां से लोगों का प्रतिदिन बड़ी संख्या में आना-जाना होता है फिर भी यहां पर घंटे कचरा खुले में डाला रहता है।इसको लेकर कई बार लोग नाराजगी भी जाहिर कर चुके हैं। फिर भी नगर पालिका सीएमओ के कानों में जूं तक नहीं रेंग रही है हुई नगर पालिका अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष भी और अधिकांश पार्षद भी इस और ध्यान नहीं दे रहे हैं। इस वजह से आम जनता में इनके खिलाफ भी आक्रोश पनप रहा वही सफाई की बात की जाए तो हालात और भी ज्यादा खराब है नालियों की कई दिनों तक साफ-सफाई नहीं होती है। इसकी वजह से इनमें गंदगी भरी रहती है हल्की-फुल्की बारिश होने पर गंदगी सड़कों पर तैरती हुई दिखाई देती है। सबसे ज्यादा परेशानी गरीबो की बस्तियों में हो रही है। इनकी नालियों की साफ सफाई नियमित रूप से नहीं होती है। इसी क्रम में वार्ड नंबर 5 में अभी नियमित रूप से साफ सफाई नहीं होने से नालियों में गंदगी भरी हुई है इसकी वजह से यहां पर रहने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा दूसरी और मच्छरों का प्रकोप भी गंदगी की वजह से बढ़ता ही जा रहा है फिर भी जिम्मेदार आंखें बंद करके तमाशा देख रहे हैं । वही सफाई के नाम पर बड़ी संख्या में कर्मचारी तैनात है। लेकिन अधिकांश दरोगाओं के द्वारा अपने काम को गंभीरतापूर्वक नहीं किया जा रहा है। अधिकारी व परिषद के जिम्मेदार भी शहर का जायजा लेने नहीं पहुंचते इस वजह से हालत दिन-ब-दिन बिगड़ते ही जा रहे हैं।

प्रचंड जीत का जनता को मिलेगा फायदा क्या

जनता जनार्दन ने दूसरी बार उमाकांत शर्मा को प्रचंड बहुमत देकर विधानसभा भेजने का काम किया है। क्या इनके द्वारा शहर की लाचार पड़ी व्यवस्था में बदलाव करने के लिए ठोस कदम उठाएंगे ऐसी बात उम्मीद नगर वासियों को है। नगर पालिका की हालत भी ज्यादा ठीक नहीं है सीएमओ से लेकर अधिकांश अधिकारी कर्मचारी अपने काम को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं ।दूसरी और इंजीनियरों के द्वारा भी घटिया सड़कों का निर्माण करवा कर भ्रष्टाचार करवाया जा रहा है। इन सब पर लगाम लगाने के लिए विधायक श्री शर्मा के द्वारा कितने ठोस कदम उठाए जाएंगे इसको लेकर चर्चाएं भी हो रही है।

इनका कहना है

नगर की सफाई व्यवस्था बिल्कुल भी ठीक नहीं है अंदर गलियों की कई दिनों तक साफ-सफाई नहीं होती गंदगी में पनप रही है कई बार शिकायत कर चुके हैं कोई ध्यान नहीं दे रहा हैं।

मोहित शर्मा नगर वासी

निर्माण के नाम पर खुलेआम भ्रष्टाचार हो रहा है घटिया काम करके ठेकेदारी खाना पूर्ति कर रहा है नगर पालिका के इंजन अधिकारी आंखें बंद करके तमाशा देख रहे हैं या फिर उनकी मिलीभगत से ही घटिया काम हो रहा है इन पर लगाम लगाने के लिए विधायक को कदम उठाने चाहिए।

अमित मालवीय नगर वासी

नगर पालिका में किसी भी समस्या को लेकर पहुंच जाए तो कोई सुनवाई नहीं होती है एक दूसरे पर टलने का काम जरूर होता है भ्रष्टाचार का खेल चल रहा है।

मेहफूज ख़ान शहरवासी

अवॉर्ड पाने वाले पहले फुटबॉलर

टाइम एथलीट ऑफ द ईयर 2023 बने लियोनल मेसी

लंदन, एजेंसी

लियोनल मेसी टाइम एथलीट ऑफ द ईयर 2023 चुने गए हैं। यह सम्मान पाने वाले वह पहले फुटबॉलर हैं। मेसी ने यह अवॉर्ड पीएससी के किलियन एम्बापे और मैनचेस्टर सिटी के एर्लिंग हालैंड के साथ ही टेनिस के नोवाक जोकोविच और मेजर लीग बेसबॉल स्टार आरोन जज को पीछे छोड़ कर हासिल किया है। लियोनल मेसी को पिछले साल फीफा वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन के लिए पिछले महीने बैलोन डी ओर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। वह सबसे ज्यादा आठवीं बार बैलोन डी% ओर अवॉर्ड पाने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। इससे पहले 2009, 2010, 2011, 2012, 2015, 2019 और 2021 में भी बैलोन डी%ओर पुरस्कार जीते थे। टाइम मैगजीन 2019 से एथलीट ऑफ द ईयर पुरस्कार दे रहा है। हालांकि, 1927 पर्सन ऑफ द ईयर पुरस्कार टाइम मैगजीन की ओर दिया जाता है।

गोल्डन बॉल अवॉर्ड फीफा वर्ल्ड कप में जीता था

लियोनल मेसी ने पिछले साल कतर में खेले गए वर्ल्ड कप में दूसरी बार वर्ल्ड कप गोल्डन बॉल का अवॉर्ड मिला। हालांकि, गोल्डन बूट फ्रांस के काइलियन एमबाप्पे को मिला। जिन्होंने टूर्नामेंट में 8 गोल किए। वहीं मेसी ने इस वर्ल्ड कप में 7 गोल किए थे। फाइनल में मेसी ने 2 गोल किए। वे वर्ल्ड कप में 26 मैच खेल चुके हैं, जिनमें 16 गोल करने में सफल हुए हैं। इनमें 12 फील्ड गोल हैं व 4 गोल पेनाल्टी से किए हैं।

अर्जेंटीना जीता वर्ल्ड कप

पिछले साल कतर में खेले गए फुटबॉल वर्ल्ड कप के फाइनल में मेसी की कप्तानी वाली अर्जेंटीना टीम ने पेनल्टी शूटआउट में फ्रांस को 4-2 से हराया। इससे पहले तय समय तक दोनों टीमें 2-2 गोल की बराबरी पर थीं। उसके बाद मैच हाफ टाइम में गया। हाफ टाइम में भी दोनों टीमों ने 1-1 गोल किए। इस तरह मैच 3-3 की बराबरी पर रहा। जिसके बाद मैच का फैसला पेनाल्टी शूटआउट में हुआ।

अगले साल पैरालंपिक खेल दो चरणों में आयोजित किए जाएंगे

2024 में होंगे ओलंपिक: पेरिस और फ्रांस पर रहेगा दुनिया का फोकस

पेरिस, एजेंसी

कई हफ्तों तक पेरिस और फ्रांस पर दुनिया का फोकस रहेगा। पेरिस 2024 ओलंपिक और पैरालंपिक खेल दो चरणों में आयोजित किए जाएंगे। ओलंपिक खेल 26 जुलाई से 11 अगस्त 2024 तक होंगे। हैंडबॉल फुटबॉल और रग्बी टूर्नामेंट, जो मैचों के व्यापक कैलेंडर के कारण 24 जुलाई 2024 को शुरू होंगे। पैरालंपिक खेल 28 अगस्त से 8 सितंबर 2024 तक होंगे। अधिकांश आयोजन पेरिस में होंगे। पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक खेल भी पूरे फ्रांस में आयोजित किए जा रहे हैं । अधिकांश कार्यक्रम राजधानी में होंगे, जिनमें ऐतिहासिक स्मारकीय स्थल भी शामिल हैं। ग्रैंड पैलेस में तलवारबाजी और तायक्वोंडो, स्टेड एफिल में बीच वॉलीबॉल और ब्लाइंड फुटबॉल, तैराकी, ट्रायथलॉन और ऑन-रोड पोंट अलेक्जेंड्रे में साइकिल चलाना, पार्स डेस प्रिंसेस, स्टेड डी फ्रांस और स्टेड रोलैंड गैरोस जैसे ऐतिहासिक स्टेडियम भी कार्यक्रमों की मेजबानी कर रहे हैं । मुख्य भूमि फ्रांस में , बोर्डो, नैनटेस, ल्योन, सेंट-इटियेन, नीस और मार्सिले शहर फुटबॉल टूर्नामेंट की मेजबानी करेंगे। लिली में पियरे डी माउरॉय स्टेडियम हैंडबॉल मैचों का आयोजन स्थल होगा और मार्सिले का मरीना नौकायन प्रतियोगिताओं के लिए होगा।

टिकट बिक्री के लिए करना होगा समय सारिणी का पालन

ओलंपिक खेलों के लिए लगभग 10 मिलियन टिकटों और पैरालंपिक खेलों के लिए लगभग 3.4 मिलियन टिकटों की बिक्री के साथ हर किसी के लिए कुछ न कुछ होगा, लेकिन अपना कीमती टिकट पाने के लिए आपको एक विशिष्ट समय सारिणी का पालन करना होगा। लॉटरी निकाले ओलंपिक खेलों के लिए एकल टिकट बिक्री के एक नए चरण की योजना बनाई है।

प्लेस डे ला कॉनकॉर्ड पेरिस में होंगे

पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में अपनी शुरुआत कर रहा है। ब्रेकडांसिंग के रूप में भी जाना जाता है, हिप-हॉप से ली गई नृत्य की इस शैली में लयबद्ध साउंडट्रैक के साथ फर्श पर कलाबाजी की गतिविधियां शामिल हैं । आयोजन-पुरुष और महिला दोनों-में 16 प्रतिभागियों के बीच, एक-पर-एक, डीजे द्वारा संगीत सेट के बीच 'लड़ाई' शामिल होती है। नर्तक इस अनुशासन के इतिहास में पहले ओलंपिक पदक विजेता बनने के लिए, न्यायाधीशों से उच्चतम कलात्मक स्कोर के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। कार्यक्रम 9 और 10 अगस्त 2024 को प्लेस डे ला कॉनकॉर्ड , पेरिस में होंगे । स्पोर्ट क्लाइंबिंग , स्केटबोर्डिंग और सर्फिंग पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए अन्य तीन नए खेल हैं। ओलंपिक और पैरालंपिक ग्रीष्मकालीन खेलों के इतिहास में यह पहली बार होगा। उद्घाटन समारोह परंपरागत तरीके से स्टेडियम में नहीं, बल्कि पेरिस के मध्य में होगा। ओलंपिक खेलों के लिए, उद्घाटन समारोह सीन नदी के किनारे आयोजित किया जाएगा।

आईपीएल में अब इम्पैक्ट प्लेयर नियम के कारण फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर मिलना मुश्किल होगा

चोपड़ा बोले- अब हार्दिक जैसा ऑलराउंडर नहीं मिलेगा

नईदिल्ली, एजेंसी

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर टीम इंडिया में फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर की कमी पर विस्तार से बातचीत की है. उन्होंने टीम इंडिया प्रबंधन पर युवा फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर्स को मौका न देने पर सवाल भी उठाए हैं और यह भी कहा है कि अब आईपीएल से भी हार्दिक पांड्या जैसा ऑलराउंडर नहीं मिलने वाला है।

दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में टीम इंडिया की प्लेइंग-11 में एक भी ऐसा खिलाड़ी नहीं था, जो बल्लेबाजी के साथ-साथ तेज गेंदबाजी का भी विकल्प हो. आकाश चोपड़ा के मुताबिक, टीम इंडिया ने जब इस सीरीज में इतने युवा खिलाड़ियों को मौका दिया ही था तो उन्हें हार्दिक का विकल्प खोजने की भी कोशिश करनी चाहिए थी. आकाश चोपड़ा के अनुसार टीम प्रबंधन को भविष्य के लिए टीम बनाने पर फोकस करना चाहिए था। आकाश चोपड़ा कहते हैं, आईपीएल से अब यह काम नहीं हो पाएगा. इम्पैक्ट प्लेयर नियम के कारण भला विजय शंकर, शिवम दुबे और वेंकटेश अय्यर जैसे ऑलराउंडर्स को गेंदबाजी करने का मौका कैसे मिलेगा. इस नियम के कारण टीमें 6 गेंदबाज खिला पाएंगी तो फिर भला इन ऑलराउंडर्स से कोई क्यों गेंदबाजी कराएगा?

टॉप-6 में गेंदबाज नहीं, नंबर-8 पर बल्लेबाज नहीं

आकाश ने कहा, अगर आपका लक्ष्य सिर्फ मैच जीतना है और अन्य किसी चीज़ पर नहीं सोचना है तो ऐसे काम नहीं चलता है. वर्तमान सीरीज में मुझे यह खराब लगा कि टॉप-6 में हमारे पास कोई गेंदबाज नहीं था और नंबर-8 पर हमारे पास कोई बल्लेबाज मौजूद नहीं था. यहां क्या लॉजिक था? गौरतलब है कि टीम इंडिया में फिलहाल सिर्फ हार्दिक पांड्या हैं, जो बल्लेबाजी के साथ-साथ तेज गेंदबाजी भी अच्छी करते हैं. लेकिन पिछले दो-तीन सालों में हार्दिक ज्यादातर वक्त चोटिल रहे हैं. विजय शंकर, वेंकटेश अय्यर और शिवम दुबे जैसे फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर्स के विकल्प हैं लेकिन यह खिलाड़ी कुछ चुनिंदा मौकों को अच्छे से भूना नहीं पाए. ऐसे में टीम इंडिया के पास अब तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर का सूखा पड़ गया है।

मोहम्मद कैफ के 'पेपर पर बेस्ट टीम' वाले बयान पर मचा बवाल, पोस्ट हुआ वायरल

नईदिल्ली, एजेंसी

वर्ल्ड कप के फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया की जीत के बाद से मोहम्मद कैफ का एक बयान काफी वायरल हो रहा है. भारत के इस पूर्व क्रिकेटर ने ऑस्ट्रेलिया के वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद कहा था कि, मैं इस बात को कभी नहीं मानूंगा कि बेस्ट टीम ने वर्ल्ड कप जीता है, क्योंकि पेपर पर भारत बेस्ट टीम थी. मोहम्मद कैफ के इस बयान पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स ने प्रतिक्रियाएं दी थी. अब कैफ का एक 7 साल पुराना पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें कैफ ने कुछ ऐसी ही बात की थी. दरअसल, भारत ने इस वर्ल्ड कप में कमाल का प्रदर्शन किया था. भारतीय टीम सभी 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंची थी, लेकिन वहां उन्हें ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा था. ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल मैच में भारत को 6 विकेट से हराकर छठीं बार वर्ल्ड कप जीत लिया. उसके बाद भारत के पूर्व क्रिकेटर, और सबसे अच्छे फील्डर्स में से एक मोहम्मद कैफ ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा था कि, मैं इस बात को कभी नहीं मान सकता कि बेस्ट टीम ने वर्ल्ड कप जीता है. भारतीय टीम पेपर पर बेस्ट टीम है. ऑस्ट्रेलिया को जीत की बधाई हो, लेकिन मैं ये मामने को तैयार नहीं हूं कि बेस्ट टीम वर्ल्ड कप जीतती है.

आज के मैच में हारने के बाद भी भारत की यह टीम इसी सेम ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाफ खेलकर बहुत बार जीत सकती है. आज एक बुरा दिन था, और ऐसा होता है. कैफ की इस बात का जवाब देते हुए डेविड वॉर्नर ने कहा था कि, ÷पेपर पर क्या है, यह मायने नहीं रखता. जब परफॉर्म करने की बात आती है, तो आपको परफॉर्म करना पड़ता है. इसलिए उसे फाइनल कहते हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

'रेड्डी किसी को खुश करने के लिए फिल्में नहीं बनाते'

फिल्म एनिमल में बॉबी देओल के काम की काफी ज्यादा तारीफ हो रही है। करियर के इस मुकाम पर आकर उन्हें वो सफलता मिली है, जो शायद उन्हें पहले नहीं मिली, लेकिन क्या आपको पता है कि फिल्म में उनकी कास्टिंग कैसे हुई। दरअसल फिल्म के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा ने बॉबी देओल की एक तस्वीर देखी थी, जिसमें वो स्टेडियम में खड़े होकर मैच देख रहे थे। संदीप रेड्डी वांगा को बॉबी की आंखें इतनी एक्सप्रेसिव लगीं कि उन्होंने एक्टर को कास्ट करने का मन बना लिया। प्रणय ने कहा कि संदीप रेड्डी वांगा किसी को खुश करने के लिए फिल्में नहीं बनाता। फिल्म में जो भी दिखाया गया है कि वो बस एक फिक्शन है। बॉबी देओल फिल्म के साथ कैसे जुड़े। क्या उनका रोल थोड़ा और बड़ा नहीं होना चाहिए था? इस सवाल का जवाब देते हुए प्रणय ने कहा, 'हम इस फिल्म में विलेन को हीरो से ज्यादा मजबूत दिखाना चाहते थे। भले ही उसका स्क्रीन टाइम कम हो, लेकिन जितना भी हो, वो प्रभावी होना चाहिए।

रश्मिका दिखी एग्रेसिव

कुछ लोगों का कहना है कि फिल्म में महिलाओं को बहुत कमजोर और दबाकर दिखाया गया है। प्रणय इन सभी बातों का खंडन करते हैं। बॉबी सर के रोल को हम दूसरे पार्ट में बड़ा दिखा सकते हैं। संदीप की सोच पर ये बात टिकी हुई है। हालांकि अभी कुछ भी कहना मुश्किल है।' कुछ लोग यह बात क्यों कह रहे हैं, मुझे समझ नहीं आ रहा। आप एनिमल में रश्मिका मंदाना का कैरेक्टर देखिए। वो हीरो को थप्पड़ तक मार देती है। फिल्म में कई जगह उसका एग्रेसिव अवतार भी दिखता है। इसके बावजूद लोग कैसे कह सकते हैं कि फिल्म में महिलाओं को कमजोर दिखाया गया है।

'फाइटर' में ऋतिक के अपोजिट होंगी दीपिका

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 'फाइटर' आजकल सुर्खियों में है। यह फिल्म भारत की पहली हवाई एक्शन फिल्म होगी। हाल ही में ऋतिक रोशन ने सोशल मीडिया पर फिल्म से अपना फर्स्ट लुक शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन लिखा- स्क्वाड्रन लीडर शमशेर पठानिया उर्फ पैटी। साथ ही अपना डेजिग्नेशन और यूनिट भी रिवील की। ऋतिक रोशन इस स्क्वाड्रन पायलट के लुक में काफी जंचते नजर आए। बी-टाउन सेलेब्स ने भी उनका यह लुक देखकर तारीफ की। एक्टर-डायरेक्टर फरहान अख्तर ने ऋतिक के पोस्ट पर लिखा- शार्प लुक। वहीं पूजा हेगड़े ने लिखा-इतने अच्छे कैसे दिख रहे हैं आप। ऋतिक की गर्लफ्रेंड सबा आजाद ने भी कमेंट किया- गो पैटी। फिल्म गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज होगी। 15 अगस्त को फिल्म का स्पिरिट ऑफ फाइटर नाम से टीजर रिलीज हुआ था। इस 57 सेकेंड के टीजर में ऋतिक, दीपिका और अनिल कपूर के एयरफोर्स ऑफिसर लुक सामने आए थे।

परिणीति फिट होने के लिए जमकर मेहनत कर रहीं

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा की इस साल सिर्फ एक ही फिल्म 'मिशन रानीगंज' रिलीज हुई है। अगले साल नेटफ्लिक्स पर उनकी फिल्म 'चमकीला' रिलीज होगी। फिल्म 80 के दशक के मशहूर पंजाबी गायक अमर सिंह चमकीला की रियल लाइफ स्टोरी पर बेस्ड है। इस फिल्म के लिए परिणीति ने 15 किलो वजन बढ़ाया है। चमकीला में दिलजीत दोसांझ लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में परिणीति ने उनकी पत्नी अमरजोत का रोल प्ले किया है। इसे इम्तियाज अली ने डायरेक्ट किया है। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक मोटीवेशनल वर्कआउट वीडियो शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए परिणीति ने बताया कि फिल्म के लिए उन्होंने 15 किलो वजन बढ़ाया था पर अब जब इसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है तो वो वापस फिट होने के लिए मेहनत कर रही हैं। परिणीति ने कैप्शन में लिखा, 'मैंने पिछले साल रहमान सर (ए आर रहमान) के स्टूडियो में 6 महीने का वक्त बिताया है। साथ ही तब मैं जितना मर्जी हो उतना जंक फूड खाती थी ताकि फिल्म 'चमकीला' (जो जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी) के लिए 15 किलो वजन बढ़ा सकूं।'

बस म्यूजिक और फूड.. यही रुटीन था

परी ने आगे लिखा, 'म्यूजिक और फूड.. बस यही मेरा रुटीन था.. पर अब जब फिल्म पूरी हो चुकी है तो स्टोरी एक दम इसके अपोजिट है। मैं स्टूडियो मिस करती हूं और जिम में वर्कआउट कर रही हूं ताकि फिर से पहले जैसी दिख सकूं। ना कि अमरजोत जी (फिल्म चमकीला में परिणीति का किरदार) जैसी। यह बहुत मुश्किल रहा पर इम्तियाज सर और इस रोल के लिए कुछ भी कर सकती हूं।' शो में परफॉर्म करने से पहले हुई थी चमकीला की हत्या। 1980 के दशक में अमर सिंह ने अपने म्यूजिक के दम पर अपनी पहचान बना ली थी। अमर सिंह को पंजाब का पहला रॉकस्टार भी कहा जाता था। 8 मार्च 1988 में जब अमर पंजाब के मेहसामपुर में परफॉर्म करने जा रहे थे तभी उनकी हत्या कर दी गई थी। कार से उतरते वक्त बाइक सवार कुछ लोगों ने चमकीला और उनकी पत्नी की गोली मारकर हत्या की थी।

मेट्रो बाजार

आईपीओ: डोम्स 350 करोड़ के नए शेयर जारी करेगी कंपनी

मुंबई, एजेंसी

स्टेशनरी और आर्ट प्रोडक्ट्स बनाने वाली फर्म डोम्स इंडस्ट्रीज पहली बार आईपीओ लेकर आ रही है। कंपनी इसके जरिए 1200 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। आईपीओ 13 दिसंबर को खुलेगा और 15 दिसंबर को बंद हो जाएगा। एंकर निवेशकों के लिए ये आईपीओ एक दिन पहले 12 दिसंबर को एक दिन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में डोम्स की ओर से 350 करोड़ रुपए के नए शेयर जारी किए जाएंगे। जबकि इसके प्रमोटर्स की ओर से 850 करोड़ रुपए का ऑफर फॉर सेल होगा। इसमें फैब्रिका इटैलियाना लैपाइज्ड एफिनी 800 करोड़ रुपए के शेयर बेचेगी, जबकि प्रमोटर्स संजय मनसुखलाल राजानी और केतन मनसुखलाल राजानी 25-25 करोड़ रुपए के शेयर बेचेंगे। यह ऑफर बुक-बिल्डिंग प्रोसेस के तहत किया जा रहा है। इसमें 75 फीसदी क्वलिफाइन इंस्टिट्यूशनल बायर्स, 15त्न नॉन-इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर्स और बाकि के 10 फीसदी रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए होगा। डोम्स इंडस्ट्रीज पहली कंपनी होगी जो मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया टाइमलाइन नियमों के मुताबिक लिस्ट होगी। इसके तहत आईपीओ लिस्टिंग के टाइम को 6 दिन से घटाकर 3 दिन कर दिया है। यानी अब आईपीओ इश्यू बंद होने के बाद शेयर मार्केट में कंपनियों के शेयर की लिस्टिंग 3 दिन में ही हो सकेगी। पहले ये 6 दिन में होती थी। सेबी के इस फैसले से आईपीओ मार्केट में लिस्टिंग की प्रक्रिया तेज होगी और निवेशकों को लिस्टिंग के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। साथ ही आईपीओ में शेयर अलॉट नहीं होने पर रिफंड भी जल्दी मिल सकेगा। यहां टी इश्यू बंद होने की अंतिम तारीख है।

फॉक्सवैगन का डीप ब्लैक पर्ल वैरिएंट लॉन्च

नईदिल्ली, एजेंसी

फॉक्सवैगन इंडिया ने भारतीय बाजार में अपनी पॉपुलर एसयूवी टाइगुन और सेडान सेग्मेंट में वर्टस का डीप ब्लैक पर्ल कलर वैरिएंट लॉन्च किया है। जर्मन कार मेकर कंपनी ने यह स्पेशल कलर दोनों कारों के टॉपलाइन वैरिएंट में दिया है। दोनों कारें ग्लोबल एनकैप में 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग हासिल कर चुकी हैं और इनमें 6 एयरबैग के साथ 40 से ज्यादा सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं। फॉक्सवैगन टाइगुन डीप ब्लैक पर्ल टॉपलाइन वैरिएंट की कीमत 15.84 लाख रुपए से 17.60 लाख रुपए तक है। इसका मुकाबला हुंडई क्रेटा, किआ सेल्टोस, मारुति ग्रैंड विटारा, टोयोटा हाइराइडर, स्कोडा कुशाक, सिट्रोएन सीएक्स एयरक्रॉस, होंडा एलिवेट और एमजी एस्टर से है। फॉक्सवैगन वर्टस डीप ब्लैक पर्ल टॉपलाइन वैरिएंट की कीमत 14.90 लाख रुपए से 16.48 लाख के बीच है। इसका मुकाबला होंडा सिटी, हुंडई वरना, स्कोडा स्लाविया और मारुति सियाज से है। कंपनी ने दोनों कारों की बुकिंग शुरू कर दी है। आप ऑफिशियल वेबसाइट या डीलरशिप पर जाकर बुक कर सकते हैं। इस माह फॉक्सवैगन टाइगुन एसयूवी 1.46 लाख के डिस्काउंट के साथ अवेलेबल है। इसमें 40 हजार रुपए का एक्सचेंज बोनस, 40 हजार रुपए का कैश डिस्काउंट और 30,000 की कॉर्पोरेट छूट शामिल है इसके अलावा कस्टमर्स फॉक्सवैगन टाइगुन पर 36,000 रुपए की स्पेशल ऑफर का फायदा भी उठा सकते हैं।

तीन नकबजन गिरफ्तार दो लाख का माल बरामद

भोपाल। अयोध्या नगर पुलिस ने तीन नकबजनों को गिरफ्तार कर उनके पास से नगदी, जेवरात समेत दो लाख रुपए का माल बरामद किया है। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी महेश लिल्हारे ने बताया कि अर्पित जैन पिता फूलचंद जैन (28) ईडब्ल्यूएस फेस फाइव, पार्ट वन अयोध्या नगर में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को चोरी की शिकायत की थी। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश की। इस दौरान मुखबिर की सूचना पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की पहचान अमन बरार उर्फ बच्चा (24) नगर निगम कॉलोनी छोला, प्रकाश मेहरा (30) लीलाधर कॉलोनी, भानपुर और अभिषेक मीणा (23) छोला मंदिर के रूप में कर ली गई। आरोपियों ने 29 नवंबर को अर्पित के जैन के सूने मकान में नकबजनी करना स्वीकार लिया। आरोपियों से अन्य वारदातों के बारे में पूछताछ की गई?थी, लेकिन अन्य वारदातों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। लिहाजा पुलिस ने तीनों को कोर्ट में पेश कर दिया था। सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

होटल संचालक के सूने मकान से जेवरात चोरी करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

भोपाल। अयोध्या नगर में रहने वाले एक होटल संचालक के सूने मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये के जेवरात चोरी करने वाली तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 2.10 लाख रुपये का माल बरामद हुआ है। घटना के समय होटल संचालक एक शादी समारोह में शामिल होने चले गए थे।

पुलिस के मुताबिक अर्पित जैन (28) ईडब्ल्यूएस फेस-5 अयोध्या नगर में रहते हैं और भोजनालय चलाते हैं। बीती 27 नवंबर को वह मकान पर ताला लगाकर एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए लालघाटी चले गए थे। 29 नवंबर की सुबह करीब दस बजे पड़ोसी ने फोन करके बताया कि आपके घर का ताला टूटा है। वह घर पहुंचे तो पूरा सामान बिखरा पड़ा था और सोने-चांदी के जेवरात समेत अन्य सामान गायब था। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया था। मंगलवार को मुखबिर से मिली सूचना के बाद आरोपी अमन बरार (24) निवासी नगर निगम कालोनी छोला रोड, प्रकाश मेहरा (30) निवासी लीलाधर कालोनी छोला रोड और अभिषेक मीणा (23) निवासी शिवशक्ति नगर छोला मंदिर को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक सोने की चैन, एक सोने का हार, एक सोने का मंगलसूत्र और लाकेट, एक सोने की अंगूठी, एक जोड़ी चांदी की पायल, 6 नग चांदी की बिछिया समेत कुल 2.10 लाख रुपये का सामान जब्त हुआ है। आरोपियों से अन्य वारदातों को लेकर पूछताछ की जा रही है।

मिसरोद स्थित हुंडई शोरूम के सामने हुआ हादसा

बीसीएलएल की बस ने बीआरटीएस कॉरीडोर में युवक को मारी टक्कर, मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित हुंडई शोरूम के पास बीआरटीएस कारीडोर पार कर रहे युवक को बीसीएलएल की बस ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद युवक को एंबुलेंस की मदद से एम्स ले जाया गया, वहां?इलाज के दौरान कल शाम युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर बस ड्राइवर पर एक्सीडेंट करने के मामला दर्ज कर लिया था। अब युवक की मौत के बाद ड्रावर के खिलाफ धाराएं बढ़ाई जा रही है।

पुलिस के अनुसार योगेंद्र सिंह कटियार पिता स्वर्गीय नरेन्द्र सिंह कटियार (35) मकान नंबर 344, वेस्ट ब्लाक आधारशिला कॉलोनी, अवधपुरी में रहते थे। वे प्राइवेट काम करते थे और उन्होंने अपनी हुंडई कार सर्विसिंग के लिए नर्मदापुरम रोड पर हुंडई शोरूम में दी थी। गत 4 दिसंबर की शाम वह कार लेने हुंडई शोरूम जा रहे थे। शोरूम के सामने सड़क पार करते समय बीआरटीएस कारीडोर में उन्हें मंडीदीप की तरफ से आ रही तेज रफ्तार बस ने टक्कर मार दी। हादसे में उन्हें गंभीर चोट आई?थी। एंबुलेंस की मदद से योगेंद्र को एम्स अस्पताल ले जाया गया। वहां इलाज के दौरान 5 दिसंबर मंगलवार शाम योगेंद्र की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि नंबर के आधार पर बस चालक की तलाश की जा रही है।

हादसे के समय सर्विस में डली कार लेने जा रहा था मृतक

सिर में चोट लगने से हो गए थे बेसुध

मृतक के छोटे भाई शैलेंद्र ने बताया कि वे प्राइवेट काम करते हैं। घटना के समय वह काम पर थे। इस दौरान मां ने उन्हें कॉल कर बताया कि भाई योगेंद्र का एक्सीडेंट नर्मदापुरम रोड पर हो गया है और उसे एम्स अस्पताल ले जाया जा रहा है। शैलेंद्र एम्स पहुंचा तो योगेंद्र को भर्ती करा दिया गया था। उसके सिर में गंभीर चोट?थी और वह कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। शैलेंद्र अस्पताल से सीआई हुंडई शोरूम पहुंचा और वहां पूछताछ की तो पता चला कि मंडीदीप की तरफ से आ रही बीसीएलएल की बस ने उन्हें टक्कर मारी है। हादसे के बाद वहां लोगों ने बस का नंबर नोट कर लिया था।

ट्रक ने मारी रिटायर्ड डॉक्टर की कार को टक्कर

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित सुरेंद्र लैंडमार्क के समाने तेज रफ्तार ट्रक ने रिटायर्ड डाक्टर की कार को टक्कर मार दी। हादसे के समय कार में डाक्टर और उनकी पत्नी मौजूद?थे। उन्हें चोट नहीं आई है, लेकिन कार क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने डाक्टर की शिकायत पर ट्रक चालक पर लापरवाही पूर्वक ट्रक चलाकर एक्सीडेंट करने का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार 72 साल के डाक्टर प्रशांत जैन, फ्लैट नंबर 5 आंचल अपार्टमेन्ट प्रोफेसर कालोनी, श्यामला हिल्स में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि निखिल बंगलों में उनके दामाद डाक्टश्र निलय जैन रहते हैं। मंगलवार शाम करीब 4 बजे वह पत्नी ऊषा जैन के साथ निखिल बंगलों दामाद से मिलने पहुंचे थे। वहां से प्रोफेसर कालोनी लौट रहे थे। वे सुरेन्द्र लेंड मार्क चौराहा पर वृदावन ढाबा की तरफ मुड़ रहे थे। इसी बीच मंडीदीप की तरफ से आ रहे ट्रक उनकी कार को बांए तरफ से टक्कर मार दी। इस टक्कर से वे और उनकी पत्नी बाल बाल बची,लेकिन कार का बांई तरफ का साइड ग्लास बंफर हेड लाइट और बाडी बांई?तरफ से दब गई।

बाइक सवार को कुचलने का मामला: कार के टूटे बंपर से आरोपी की पहचान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित मालीखेड़ी रोड पर तेज रफ्तार ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसा 4 दिसंबर की रात को हुई था।

हादसे के बाद कार का चालक मौके से कार लेकर भाग निकला?था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और कार के टूटे हुए प्लास्टिक के टुकड़े से कार की पहचान कर ली। दरअसल, टूटे हुए बंफर में लगे टेप में पुलिस को कार का नंबर मिल गया था। पुलिस के अनुसार कमलेश चौधरी पिता स्वर्गीय रोशन चौधरी (28) मालीखेड़ी रोड भानपुर में रहता था। वह पप्पू जैन की किराना दुकान में काम करता था। 4 दिसंबर की सुबह कमलेश बाइक से काम पर किराना दुकान गया था। वह प्रतिदिन रात में साढ़े दस बजे तक घर पहुंच जाता था, लेकिन 4 दिसंबर की रात वह घर नहीं पहुंचा।

परिजन ने रात में उसकी तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। अगले ही दिन सुबह परिजन उसकी तलाश में निकले और अशोक गौर की दुकान के सामने मालीखेड़ी रोड पर पर कमलेश और उसकी टूटी फूटी बाइक पड़ी नजर आई। कमलेश की मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण करने पहुंची तो मामला एक्सीडेंट से जुड़ा नजर आया। पुलिस को बाइक से कुछ दूरी पर नीले रंग की कार के टुकड़े मिले। टुकडो में कागज के टेप चिपका हुआ मिला जिस पर कार का नंबर लिखा हुआ था। नंबर के आधार पर कार की पहचान कर ली गई। पुलिस ने कार चालक पर मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

मेट्रो एंकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही थी सोहागपुर की युवती

सगाई के बाद युवती से बनाए संबंध, शादी से मुकरने पर मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अयोध्या नगर में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता का कहना है कि संबंध उसके मंगेतर ने बनाए थे और वह अब शादी करने की बात से मुकर रहा है। पुलिस ने युवती की शिकायत पर बलात्कार का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए जल्द ही सुहागपुर जाएगी।

पुलिस के अनुसार 24 साल की युवती मूलतः सुहागपुर, नर्मदापुरम की रहने वाली है। फिलहाल वह थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में रह रही है और प्रतियोगी परीक्षओं के साथ प्राइवेट काम भी कर रही है। उसकी सगाई सुहागपुर में रहने वाले विजय अहिरवार से हुई?थी। सगाई होने के कारण विजय और पीड़िता की मोबाइल पर बातचीत होने लगी। पीड़िता का कहना है कि गत 23-24 अक्टूबर को विजय उससे मिलने भोपाल आया था और उसके रूम पर रुखा था। इस दौरान उसने उससे शारीरिक संबंध बनाए। वह अपने गांव चला गया था। इस दौरान उसे पता चला कि कोई आपराधिक प्रकरण है, जिसमें पीड़िता को पुलिस ने आरोपी बनाया है। यह बात पता चलते ही आरोपी ने उससे दूरी बना ली और शादी करने से इंकार कर दिया।

शादी समारोह से गिफ्ट व लिफाफों से भरा बैग चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अयोध्या नगर में ही एक शादी समारोह से चोर गिफ्ट लिफाफों से भरा बैग चोरी कर ले गए। पुलिस के मुताबिक बीती 28 नवंबर को मिनाल गेट के पास स्थित शादी हाल से चोर स्टेज पर रखा गिफ्ट लिफाफों से भरा बैग चोरी कर ले गए थे। चोरी की रिपोर्ट नीरज जैन ने दर्ज कराई है। बैग के अंदर कितनी धनराशि थी, इसका खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस कार्यक्रम के दौरान हुई वीडियो शूटिंग देखर चोर का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इधर अशोका गार्डन थानांतर्गत चंबल कालोनी स्थित बिजली आफिस के सामने से चोर कापर वायर चोरी कर ले गए। चोरी गए वायर की कीमत 45 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने साद खान की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

अवैध रूप से छुरी लेकर घूम रहा बदमाश गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कमला नगर पुलिस ने अवैध रूप से छुरी लेकर घूम रहे एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक सोमवार दोपहर को सूचना मिली कि एक युवक सुदामा नगर के पास छुरी लेकर घूम रहा है। मौके पर पहंची पुलिस को देखकर युवक ने भागने का प्रयास किया, जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ करने पर युवक ने अपना नाम अब्दुल अनस उर्फ कल्लू (20) निवासी अम्बेडकर नगर बताया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास अवैध रूप से रखी एक छुरी मिली, जिसे जब्त करने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट का केस दर्ज किया गया है। आरोपी के खिलाफ पहले से आधा दर्जन से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज बताए गए हैं।

मोबाइल टॉवर से 1 लाख का उपकरण चोरी

भोपाल। अशोका गार्डन स्थित एक मोबाइट टावर से चोर 1 लाख रुपये कीमत का उपकरण चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र गोविंदपुरा में इंडस कंपनी का टावर लगा हुआ है, जिसमें आइडिया आपरेटर भी संचालित होता है। पिछले दिनों कंपनी के सूचना मिली कि आइडिया का टावर डाउन चल रहा है। कंपनी के कर्मचारी हीरालाल काछी ने मौके पर जाकर देखा तो ओडी रैक का ताला टूटा मिला और अंदर लगा आइडिया कंपनी का उपकरण चोरी हो चुका था। चोरी गए उपकरण की कीमत एक लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने हीरालाल की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

फाइल फोटो

अस्पताल के सामने खड़ी युवक की बाइक चोरी

भोपाल। कमला नगर स्थित निजी अस्पताल के सामने खड़ी युवक की बाइक चोरी हो गई। पुलिस के मुताबिक राजकुमार प्रजापति (39) मांडवा बस्ती में रहते हैं। उनकी तीन साल की बेटी का नेहरू नगर स्थित निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। राजकुमार ने रात के समय अपनी बाइक अस्पताल के सामने खड़ी की थी। अगली सुबह देखा तो बाइक गायब हो चुकी थी। इसी प्रकार अस्सी फीट रोड बजरिया से संजीव चौहान की बाइक और वनट्री हिल्स बैरागढ़ से अनिल रामनानी की स्कूटर चोरी हो गई। पुलिस ने तीनों मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया**
संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022